सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_SanjayS | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 11 ● अंक: 43 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 17 मार्च, 2025

मूल्य ₹ 3/-

जो बदलाव तुम दुनिया में देखना चाहते हो, वह खुद में लेकर आओ।
-महात्मा गांधी।

खिलाड़ियों की चोट ने बढ़ाई फ्रेंचाइजी... 7 | दक्षिण के राज्यों में फिर उठा... 3 | मैं सियासत करता हूं इसलिए... 2

नितिन गडकरी के बयान से देश में राजनीतिक चुल

» विपक्ष के नेता बनते नितिन गडकरी!

» आखिर क्या चल रहा है नितिन गडकरी के मन में

» शिवसेना यूबीटी, कांग्रेस सहित दूसरे नेताओं का मिल रहा है मुस्लिम पक्ष में बयान देने के लिए समर्थन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। नितिन गडकरी बीजेपी के ऐसे नेता है जो अक्सर पार्टी लाइन से अलग हटकर ऐसे बयान दे देते हैं जिससे देश में राजनीतिक चुल पैदा हो जाती है। नागरपुर एक कार्यक्रम में मुस्लमानों के संदर्भ में दिये गये उनके बयान की हर कोई अपने हिसाब से व्याख्या कर रहा है। अक्सर नितिन गडकरी के बयान बीजेपी के लिए उलझन पैदा करने वाले साबित होते हैं। इस बार भी ऐसा ही हो रहा है। उनके ताजा बयान ने उन्हें विपक्ष को नेता बना दिया है और कांग्रेस शिव सेना यूबीटी उनके समर्थन में खुल कर सामने आयी है और तारीफ कर रही है।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने होली के बाद नागपुर में एक अल्पसंख्यक संस्थान के दीक्षांत समारोह में कहा कि मुस्लिम समाज को सबसे ज्यादा शिक्षा की जरूरत है। उन्होंने कार्यक्रम में बोलते हुए इस बात पर जोर दिया कि जो पढ़ेगा, वही बढ़ेगा। उन्होंने शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि मुसलमानों को एपीजे अब्दुल कलाम या मौलाना आजाद बनने की दिशा में सोचना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी भी समुदाय को हाशिए पर रखना या उनके साथ भेदभाव करना समाज और देश के विकास में बाधक हो सकता है। उनका यह बयान ऐसे समय में आया है जब देश में सांप्रदायिक सौहार्द्र को लेकर बहस चल रही है।

मुसलमानों को मुख्य धारा में लाना होगा

नितिन गडकरी के इस बयान के बाद पूरे देश में अलग-अलग राजनेताओं ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। कांग्रेस नेता तारिक अनवर ने नितिन गडकरी के बयान का समर्थन करते हुए कहा है कि वह नितिन गडकरी के बयान से सहमत हैं। तारिक अनवर ने कहा कि अगर नितिन गडकरी ने कहा है तो ये बड़ी बात है। भाजपा में रहकर अगर वह इस तरह की बातें करते हैं तो कुछ तो कारण होगा। वह हमेशा अपनी अलग सोच के लिए जाने जाते हैं, इसलिए वह सरकार और पार्टी लाइन से हटकर बयान देते हैं। जहां तक मुस्लिम समाज में शिक्षा की आवश्यकता का सवाल है तो सच्चर कमेटी की रिपोर्ट में भी बताया गया है कि वे बहुत ही पिछड़े हुए हैं और नौकरी से लेकर शिक्षा के क्षेत्र में काफी कमजोर भी हैं। अगर हमें पूरे देश को मजबूत बनाना है तो मुस्लिम समाज को मुख्य धारा में लाना होगा।

स्वामी विवेकानंद और दाऊद इब्राहिम की तुलना

नवंबर 2012 में नितिन गडकरी ने एक कार्यक्रम में कहा था कि स्वामी विवेकानंद और अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम की आईक्यू स्तर समान था, लेकिन उनकी जीवन की दिशा अलग थी। इस बयान से व्यापक विवाद उत्पन्न हुआ और भाजपा को सफाई देनी पड़ी थी।

सरकार को कहा था विषकन्या

अक्टूबर 2024 में नागपुर में ही एक कार्यक्रम के दौरान गडकरी ने कहा था कि सरकार किसी भी पार्टी की हो वह विषकन्या जैसी होती है, जो जिसके साथ जाती है, उसका नाश कर देती है। इस बयान से महाराष्ट्र सरकार की नीतियों पर सवाल उठे थे।

कर चुके हैं कांग्रेस की मजबूती की कामना

मार्च 2022 में गडकरी ने कहा था कि लोकतंत्र में विपक्षी पार्टी की भूमिका महत्वपूर्ण है और देश में मजबूत लोकतंत्र के लिए मजबूत कांग्रेस का होना आवश्यक है। इस बयान की विपक्षी दलों ने सराहना की थी। हालांकि इस बयान के बाद वह पार्टी के अंदर घिर गये थे और उन्हें अपने बयान पर सफाई देनी पड़ी थी।

जातिवाद करने वालों को लात मार दी जाएगी

"नितिन गडकरी ने पुणे में एक कार्यक्रम के दौरान कहा था कि उनके क्षेत्र में जातिवाद के लिए कोई जगह नहीं है और यदि कोई जाति की बात करेगा तो वे उसकी पिटाई कर देंगे। ?

बोली शिवसेना- बीजेपी को आईना दिखाने का काम करते हैं

"शिवसेना (यूबीटी) प्रवक्ता आनंद दुबे ने भी केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के बयान का स्वागत किया है और उनके बयान को समर्थन दिया है। उन्होंने कहा कि नितिन गडकरी अपनी बेबाकी के लिए जाने जाते हैं और भाजपा नेताओं को समय-समय पर आईना दिखाने का काम करते हैं। बीजेपी में रहकर इस तरह की बातें वह कितने दिन कर पाते हैं यह समय बताएगा। उन्होंने कहा कि नितिन गडगरी एक अच्छे राजनेता हैं लेकिन गलत जगह है। उन्होंने कहा कि बीजेपी विकास की बजाय हिंदू-मुसलमान मंदिर-मस्जिद और नफरत की राजनीति कर रही है।

राजनीति छोड़ने की इच्छा

नितिन गडकरी सार्वजनिक मंच से कई बार राजनीति छोड़ने की बात कह चुके हैं। भाषण देते हुए वह कई बार भावुक हुए और कहा कि उनका मन राजनीति छोड़ने का करता है क्योंकि जीवन में राजनीति के अलावा भी करने के लिए बहुत कुछ है। इस बयान से राजनीतिक गलियारों में हलचल मच गई थी।

जंतर-मंतर पर वक्फ संशोधन विधेयक 2024 के खिलाफ विरोध प्रदर्शन

» ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने कहा- केंद्र सरकार वापस ले बिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर वक्फ संशोधन विधेयक 2024 के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। बोर्ड ने इस विधेयक को वापस लेने की मांग की, क्योंकि उसका मानना है कि यह वक्फ संपत्तियों की सुरक्षा के लिए खतरा है।

हालांकि, सरकारी नेताओं ने कहा है कि देश कानून के मुताबिक चलेगा और वक्फ विधेयक को मौजूदा बजट सत्र के दूसरे हिस्से में संसद में पेश किए जाने की उम्मीद है। एआईएमपीएलबी के उपाध्यक्ष उबैदुल्लाह आजमी ने भारतीय संविधान द्वारा गारंटीकृत धार्मिक मामलों की सुरक्षा के महत्व पर जोर दिया। जिस तरह नमाज और रोजा हमारे लिए महत्वपूर्ण है, उसी तरह वक्फ संपत्तियों की सुरक्षा भी उतनी ही जरूरी है। सरकार को वक्फ की जमीन पर अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए थी।

भाजपा ने एआईएमपीएलबी पर हिंसा भड़काने का लगाया आरोप

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने एआईएमपीएलबी पर वक्फ संशोधन विधेयक का इस्तेमाल अशांति भड़काने और मतदाताओं का ध्रुवीकरण करने के बहाने के रूप में करने का आरोप लगाया है। भाजपा नेता शहजाद पूनावाला ने एआईएमपीएलबी और कांग्रेस, टीएमसी, समाजवादी पार्टी और एआईएमआईएम सहित उसके राजनीतिक सहयोगियों की आलोचना करते हुए दावा किया कि वे सांप्रदायिक तनाव को भड़काने की कोशिश कर रहे हैं।

देश में मुसलमान पूरी तरह सुरक्षित: मौलाना शहाबुद्दीन

ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी ने कहा कि ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के जिम्मेदार कह रहे हैं कि देश में मुसलमानों को खतरा है, सुरक्षित नहीं हैं। ये सरासर गलत और गुमराह करने वाली बातें हैं। उन्होंने कहा कि देश में मुसलमान पूरी तरह सुरक्षित है। देश में मुसलमान अपने धार्मिक त्योहार, नमाज, रोजा, हज, जकात, जुलूस और उर्स आदि कार्यक्रम आजादी से मनाता है। कोई भी व्यक्ति या हुकूमत इन धार्मिक कार्यक्रमों में कोई भी बाधा नहीं डालती।

मैं सियासत करता हूं इसलिए मेरे फैसले सियासी ही होंगे : इमरान

» होली खेलने पर उलेमाओं की नसीहत पर दी प्रतिक्रिया

» सांसद बोले-अल्लाह के रिश्ते में किसी की दखलंदाजी बर्दाश्त नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सहारनपुर। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद के होली खेलने पर एक देवबंदी उलेमा ने उन्हें नसीहत दी। इस पर मसूद ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि उनके और अल्लाह के रिश्ते में किसी की दखलंदाजी बर्दाश्त नहीं करेंगे। मसूद ने आतंकवाद पर भी अपनी राय रखी और औरंगजेब पर अबू आजमी के बयान पर भी टिप्पणी की।

होली त्योहार पर इमरान मसूद ने समर्थकों के साथ होली खेली थी। इस पर देवबंदी उलेमा मौलाना कारी इसहाक गोरा ने उन्हें नसीहत दी। गोरा ने कहा कि शरीयत के खिलाफ कोई काम नहीं करना चाहिए। इमरान मसूद ने इस पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें किसी के सर्टिफिकेट की ज़रूरत नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि वह सियासत करते हैं और उनके फैसले सियासी ही होंगे। मसूद ने आतंकवाद और औरंगजेब पर अबू आजमी के बयान पर भी अपनी राय रखी।

कांग्रेस के नमस्ते निजामाबाद अभियान में शामिल हुए कांशीराम के विचार, गांवों में मनायी गई जयंती

उत्तर प्रदेश में मॉडल विधानसभा बनाने के लिए कांग्रेस नमस्ते निजामाबाद अभियान चला रही है। इसके तहत तीन दिन तक विभिन्न गांवों में कांशीराम के विचारों पर चर्चा की जाएगी। उनके द्वारा कही गई बातों और उनके संदेशों को कांग्रेस आमजन तक पहुंचाएगी। कांग्रेस के नमस्ते निजामाबाद अभियान का नेतृत्व निवर्तमान प्रदेश महासचिव अनिल यादव कर रहे हैं। इसके तहत पहले दिन गंधुवाई, कोलपुर, सोफीपुर और चकिया टूबे रामपुर में परिचर्चा आयोजित हुई। इसमें कांशीराम की जयंती मनाने के साथ ही उनके योगदानों पर चर्चा की गई। उन्होंने किस तरह से वंचित समाज को शासक बनाया, इसकी रणनीति से लोगों को वाकिफ कराया गया। वोट की ताकत बताई। भविष्य की रणनीति पर लोगों की राय जानी गई। निवर्तमान प्रदेश महासचिव संगठन अनिल यादव ने बताया कि दलितों, पिछड़ों और शोषित समाज के लिए कांशीराम ने बहुत काम किया है। बहुजन समाज हमेशा उनका ऋणी रहेगा। दलितों-पिछड़ों की हिस्सेदारी के लिए उन्होंने आजीवन संघर्ष किया। उनके बिना मंडल कमीशन की रिपोर्ट भी लागू नहीं हो पाती। बताया कि अब पूरे देश में सामाजिक न्याय की लड़ाई छिड़ी हुई है। इसकी बुनियाद कांशीराम ने डाली थी। कांग्रेस नेता ने कहा कि पूरे देश में भाजपा मनुवादी और सांप्रदायिक उन्माद फैलाने की कोशिश में लगी हुई है। वह संविधान को खत्म करके मनुवादी व्यवस्था लागू करना चाहती है। लेकिन, कांशीराम के अनुयायी उनके इन मंसूबों को पूरा नहीं होने देंगे।

अल्लाह का काम है कि मुझे क्या सजा देनी है

इमरान मसूद ने गोरा के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी। एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि ला इलाहा इल अल्लाह मोहम्मद रसूलल्लाह कहने के बाद न मुझे किसी को कुछ साबित करने की जरूरत है। मेरे और अल्लाह के बीच मुझे किसी के सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं है। यह अल्लाह का काम है कि मुझे क्या सजा देनी है। मसूद ने साफ किया कि वह राजनीति करते हैं और उनके फैसले राजनीतिक ही होंगे। उन्होंने कहा कि हर किसी का अपना काम है। मैं सियासत करता हूं और वही करूंगा। फैसले भी सियासत के हिसाब से होंगे।

आतंकवादियों को बख्शा नहीं जाना चाहिए

इजरायल में आतंकवाद के खिलाफ उठाए गए कदमों पर भी इमरान मसूद ने अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि आतंकवादियों को बख्शा नहीं जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आतंकवादी को बख्शना नहीं चाहिए। उसे मार देना चाहिए। जो लोग दूसरों की जान लेते हैं, उन्हें जिंदा रहने का कोई हक नहीं है।

अबू आजमी पर कैसे लग सकता है देशद्रोह

इमरान मसूद ने औरंगजेब पर अबू आजमी के बयान पर कहा कि मैंने अबू आजमी का बयान नहीं सुना है, लेकिन जिस तरह की चर्चा मीडिया में हो रही है, मुझे लगता है कि किसी को भी अधूरा ज्ञान नहीं रखना चाहिए। पहले उन्हें पूरा ज्ञान लेना चाहिए। मैं ये पूछना चाहता हूं कि अगर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री या उपमुख्यमंत्री एफआईआर की मांग कर रहे हैं, तो क्या वहां की सरकार इतनी कमजोर है कि इन्हें पूछना पड़ रहा है? हालांकि, वे किस बात के लिए देशद्रोह कहेंगे, क्या औरंगजेब बादशाह नहीं था? वो पूरे 49 साल तक हिंदुस्तान का बादशाह रहा था। मसूद ने कहा कि लोगों को पूरा ज्ञान होना चाहिए, तभी बयान देना चाहिए।

सत्ता की चाबी हासिल करना जरूरी : मायावती

» कांशीराम को दी श्रद्धांजलि, खुद को बताया आयरन लेडी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा प्रमुख मायावती ने कांशीराम की 91वीं जयंती पर उनके चित्र पर पुष्पार्पित करके उन्हें नमन किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि बसपा के संस्थापक कांशीराम की जयंती पर देशभर में पार्टी कार्यकर्ताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। हम सबने उनके सामाजिक परिवर्तन और आर्थिक मुक्ति के आंदोलन को और मजबूत करने का संकल्प लिया है। बसपा सुप्रीमो ने कहा कि बहुजन समाज को गरीबी, बेरोजगारी, शोषण, उत्पीड़न, पिछड़ेपन, जातिवाद, सांप्रदायिक हिंसा और तनाव की कष्टपूर्ण जिंदगी से मुक्ति पाने के लिए उन्हें अपने बहुमूल्य वोट की ताकत को समझना होगा। बहुजन समाज को सत्ता की चाबी हासिल करना जरूरी है। यही आज का संदेश है। इस मौके पर मायावती ने खुद को आयरन लेडी बताया।

मायावती ने कहा कि यूपी की विशाल आबादी ने देखा है कि कैसे आयरन लेडी के नेतृत्व में बसपा कथनी से ज्यादा करनी में विश्वास रखती है। सत्ता में रहने के दौरान हमने बहुजनों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित किया। जबकि, अन्य दलों द्वारा किए गए अधिकांश दावे निराधार और भ्रामक साबित हुए।

उन्होंने कहा कि 15 मार्च 1934 को पंजाब के रूपनगर में जन्मे मान्यवर कांशीराम ने पिछड़ा वर्ग के लोगों के उत्थान और राजनीतिक लामबंदी के लिए काम किया। उन्होंने 1971 में अखिल भारतीय पिछड़ा एवं अल्पसंख्यक समुदाय कर्मचारी महासंघ (बामसेफ) की स्थापना की। 1981 में दलित शोषित समाज संघर्ष समिति की स्थापना की। कहा कि 1984 में बसपा का गठन किया। कांशीराम 1991 में यूपी के इटावा से और 1996 में पंजाब के होशियारपुर से लोकसभा सदस्य चुने गए। 1998 से 2004 तक उन्होंने राज्यसभा सदस्य के रूप में भी काम किया। 9 अक्टूबर 2006 को 71 वर्ष की आयु में दिल्ली में उनका निधन हो गया।

आपस में मिले हुए हैं कांग्रेस और बीजेपी के नेता : हनुमान

» बोले- जल्द होगी आरएलपी की नई कार्यकारिणी गणित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बाड़मेर। नागौर सांसद और राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) के सुप्रीमो हनुमान ने कांग्रेस और बीजेपी पर जमकर निशाना साधा और कहा कि आरएलपी की नई प्रदेश कार्यकारिणी जल्द गठित की जाएगी, जिससे पार्टी को और मजबूती मिलेगी। हनुमान बेनीवाल ने कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि पार्टी में केवल दो नहीं, बल्कि पांच गुट सक्रिय हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि कई कांग्रेस नेता बीजेपी के संपर्क में हैं और कभी भी पार्टी बदल सकते हैं। साथ ही, उन्होंने यह भी कहा कि कई नेताओं पर जांच चल रही है और कांग्रेस पूरी तरह अंदरूनी कलह से जूझ रही है।

बीजेपी सरकार को घेरते हुए बेनीवाल ने कहा कि पेपर लीक मामलों पर बीजेपी के दावे खोखले साबित हुए हैं। एसआई भर्ती को रद्द करना और आरपीएससी को भंग करने जैसे फैसलों का कोई ठोस असर नहीं हुआ। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि यह सरकार सिर्फ टाइमपास कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि ब्यूरोक्रेसी सरकार चला रही है और खुद मुख्यमंत्री भजनलाल को भी नहीं पता कि क्या हो रहा है।

आरएलपी ही मजबूत विकल्प

बेनीवाल ने बीजेपी और कांग्रेस को सांपनाथ और नागनाथ बताते हुए कहा कि दोनों दल मिलकर जनता को गुमराह कर रहे हैं। उन्होंने जनता से अपील की कि अगर राजस्थान को इस राजनीति से बचाना है, तो एक नया विकल्प तलाशना होगा। बेनीवाल ने दावा किया कि आरएलपी जवानों और किसानों की पसंदीदा पार्टी है और इसे और मजबूत करने के लिए नई रणनीति तैयार की जा रही है।

जनता के मुद्दों से भाग रही भाजपा : मौर्य

» बोले- सिर्फ हिंदू-मुस्लिम और मंदिर-मस्जिद कार्ड खेलती है बीजेपी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायबरेली। यूपी के रायबरेली में कांशीराम की जयंती पर पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य की संविधान परिवर्तन और सामाजिक न्याय यात्रा पहुंची। उन्होंने यह यात्रा लखनऊ स्थित भीमराव आंबेडकर सामाजिक परिवर्तन स्थल से शुरू की थी। यह यात्रा मोहनलालगंज से होते हुए बछरावां, कटवाया, त्रिपुला से होकर रायबरेली शहर पहुंची। यहां सारस मोटल चौराहा पर स्वामी प्रसाद मौर्य ने सभा को संबोधित किया।

इस मौके पर उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार को जगाने और उसे आगाह करने के लिए यह यात्रा चली है। पहले चरण में यह मिर्जापुर मंडल तक के जिलों से होकर गुजरेगी। एक अप्रैल से बस्ती और गोरखपुर मंडल के जिलों में यात्रा निकाली जाएगी। उन्होंने कहा कि आउटसोर्सिंग कर्मी, आशा बहू, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को सरकारी तौर पर स्थायी किया जाए। बेरोजगारों को बेरोजगारी भत्ता दिया जाए। किसानों को उपज का न्यूनतम समर्थन मूल्य मिले।

छुट्टा जानवरों को पकड़ा जाए

स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि छुट्टा जानवरों को पकड़ा जाए, ताकि किसानों कि फसल बचाई जा सके। वन नेशन वन एजुकेशन सिस्टम को लागू किया जाए। ताकि गरीब, अनुसूचित जाति जनजाति और पिछड़े वर्ग के बच्चे अच्छी शिक्षा गृहण कर सकें। कहा कि प्रधानमंत्री वन नेशन वन इलेक्शन की बात करते हैं, लेकिन वन नेशन वन एजुकेशन की बात नहीं करते। उन्हें मालूम है कि जिस दिन अनुसूचित जाति और जनजाति तथा गरीब पिछड़ों के बच्चे पढ़कर आगे बढ़ जाएंगे तो सत्ता में रहना मुश्किल हो जाएगा।

बसपा ने डॉ. आंबेडकर के मिशन से नाता तोड़ लिया

कहा कि बसपा ने कांशीराम की सामाजिक परिवर्तन और डॉ आंबेडकर के मिशन से नाता तोड़ लिया है। इस कारण अपनी जनता पार्टी का गठन कर सारे मिशनरी कार्यकर्ताओं को एक साथ लाया जा रहा है। मिशन को सफल बनाया जाएगा। नौ चरणों में यह यात्रा पूरे प्रदेश में घूमेगी। पीडीए की बात पर उन्होंने कहा कि जब पीडीए का गठन हुआ था, तब वह सपा में थे। उन्होंने ही पीडीए का मंत्र दिया था।

कुछ लोगों की आदत होती है बैंड बजाने की : जोगाराम

» टीकाराम जूली पर भड़के राजस्थान के कैबिनेट मंत्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जोधपुर। राजस्थान में हुए उपचुनाव और राजनीतिक घटनाक्रमों पर नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली के बयान का कैबिनेट मंत्री जोगाराम पटेल ने जोधपुर में जवाब दिया।

उन्होंने कहा, कुछ लोगों की आदत होती है बैंड बजाने, गमछा हिलाने और ईंट से ईंट बजाने की। लेकिन इसका परिणाम सभी के सामने है, चाहे राजस्थान हो या उपचुनाव की तीन सीटें। किसकी बैंड बजी, किसका गमछा हिला, यह जनता जानती है। महाराष्ट्र, हरियाणा या दिल्ली हर जगह नतीजे स्पष्ट हैं। हाल ही में हुए नगर निकाय और पंचायत चुनावों में भी सब कुछ साफ हो गयाह्य है। कैबिनेट मंत्री जोगाराम पटेल जोधपुर प्रवास के दौरान सर्किट हाउस पहुंचे, जहां उन्होंने जनसुनवाई की और अधिकारियों को समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

दक्षिण के राज्यों में फिर उठा-पटक जारी!

अभिनेता से राजनेता बने विजय व कमल का भी मोर्चा शुरू

- कर्नाटक में वेतन के नाम पर सियासी रार
- तमिलनाडु में हिन्दी व परिसीमन पर तनातनी
- तीसरे बच्चे के होने पर आंध्र व तमिलनाडु में इनामों की बौछार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। दक्षिण भारत में राजनीति उत्तर भारत से ज्यादा पेचिंदगी भरी है। वहां आजकल परिसीमन को लेकर मामला गरम है। आंध्र प्रदेश से लेकर तमिलनाडु तक आबादी बढ़ाने के लिए नई-नई योजनाओं की घोषणा कर रहर है। कोई तीसरा बच्चे के होने पर 50 हजार देने की बात कर रहा हे तो काई अन्य सुविधाओं की बात । इन सबके बीच तमिलनाडु में फिल्मी अभिनेता भी राजनेता बनकर अपनी उपस्थिती जनता के बीच में करने लगें हैं। उनमें शामिल हैं विजय सेतुपति और कमल हसन। कमल हसन जहां भाजपा को हिन्दी के मामले में घेर रहे हैं तो विजय सेतुपति द्रमुक को तमिलनाडु की कानून व्यवस्थ पर स्टालन सरकार को घेरा रहे हैं।

वहीं कर्नाटक में नया नाटक शुरू हा`गया इसको लेकर भाजपा भड़क गई है। विपक्षी भाजपा और जेडीएस ने सत्तारूढ़ कांग्रेस पर अपने कार्यकर्ताओं को भुगतान करने के लिए करदाताओं के पैसे लूटने का आरोप लगाया है। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने जवाब दिया है कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं को राज्य सरकार के कार्यक्रमों की देखरेख करने का पूरा अधिकार है। आंध्र प्रदेश से तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) के लोकसभा सांसद के अप्पाला नायडू ने घोषणा की है कि उनके निर्वाचन क्षेत्र में तीसरे बच्चे वाले परिवारों को लड़की होने पर 50,000 रुपये की सावधि जमा राशि और लड़के होने पर एक गाय और बछड़ा मिलेगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि विजयनगरम के सांसद ने जनसंख्या वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए यह घोषणा की है। उन्होंने कहा कि तीसरी लड़की के विवाह योग्य होने तक सावधि जमा राशि बढ़कर 10 लाख रुपये हो जाएगी। नायडू ने यह भी कहा कि उनके जीवन और राजनीति में शामिल कई महिलाओं ने उनके इस फैसले के पीछे उनका साथ दिया है। उन्होंने कथित तौर पर महिला दिवस के अवसर पर यह फैसला लिया है। इसमें उनकी मां, बहनें, पत्नी और बेटियां शामिल हैं। सांसद ने समाज में महिलाओं के साथ होने वाले भेदभाव पर भी प्रकाश डाला और इस बात पर जोर दिया कि महिलाओं का प्रोत्साहन समय की मांग है। सांसद ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू से प्रेरणा ली, जिन्होंने घटती जन्म दर, खासकर दक्षिणी भारत में, को संबोधित करने की आवश्यकता के बारे में बात की है। हाल ही में दिल्ली की यात्रा के दौरान, मुख्यमंत्री ने चेतावनी दी थी कि इस क्षेत्र में बढ़ती उम्र की आबादी आर्थिक और सामाजिक चुनौतियों का सामना कर सकती है। अप्पाला नायडू ने अपने निर्वाचन क्षेत्र में महिला दिवस समारोह के दौरान यह घोषणा की। उन्होंने कहा कि वे अपने जीवन में महिलाओं से प्रभावित हैं-उनकी माँ, पत्नी, बहनें और बेटी-जिन्होंने उन्हें महिला सशक्तिकरण का समर्थन करने के लिए कदम उठाने के लिए प्रोत्साहित किया।

रुपये का सिंबल हटाने को लेकर स्टालिन पर भड़के अन्नामलाई

तमिलनाडु भाजपा प्रमुख के अन्नामलाई ने मुख्यमंत्री एमके स्टालिन पर राज्य सरकार के 2025-26 के बजट लोगो में रुपये के प्रतीक के बजाय तमिल अक्षर का उपयोग करने के फैसले पर निशाना साधा है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट करते हुए अन्नामलाई ने डीएमके पर एक तमिल द्वारा डिजाइन किए गए राष्ट्रीय प्रतीक की अवहेलना करने का आरोप लगाया। अन्नामलाई ने लिखा डीएमके सरकार का 2025-26 का राज्य बजट एक तमिल द्वारा डिजाइन किए गए रुपये के प्रतीक को बदल देता है, जिसे पूरे भारत ने अपनाया और हमारी मुद्रा में शामिल किया। प्रतीक को डिजाइन करने वाले थिरु उदय कुमार डीएमके के एक पूर्व विधायक के बेटे हैं। स्टालिन आप कितने मूर्ख हो सकते हैं? भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने भी रुपये के चिह्न को बदलने के लिए तमिलनाडु के मुख्यमंत्री की आलोचना की। एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने लिखा उदय कुमार धर्मलिंगम एक भारतीय शिक्षाविद और डिजाइनर हैं। डीएमके के एक पूर्व विधायक के बेटे हैं, जिन्होंने भारतीय रुपये का चिह्न डिजाइन किया था। जिसे भारत ने स्वीकार किया था। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन तमिलनाडु बजट 2025-26 दस्तावेज़ से चिह्न हटाकर तमिलों का अपमान कर रहे हैं।

राजनीति की वास्तविकताओं से जुड़ें अभिनेता : प्रिया

चेन्नई की मेयर प्रिया ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए विजय से आग्रह किया कि वे इस तरह के व्यापक बयान देने से पहले राजनीति की वास्तविकताओं से जुड़ें। उन्होंने अभी-अभी राजनीति में प्रवेश किया है और उन्हें और भी राजनीतिक वास्तविकताएँ देखनी हैं। मेयर ने सरकार की पहलों का बचाव करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने महिलाओं के उत्थान के उद्देश्य से योजनाओं को प्राथमिकता दी है। उन्होंने विजय की आलोचना को अनावश्यक बताते हुए कहा कि एक महिला के लिए केवल शिक्षा ही उसके साथ खड़ी होती है, जब उसके रिश्तेदार सहित सभी लोग उसे छोड़ देते हैं। हमारे मुख्यमंत्री ने इसे महत्व दिया है। विजय ने पहले भी तमिलनाडु में महिलाओं की सुरक्षा पर कड़ा रुख अपनाया था और राज्यपाल आर.एन. रवि से उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उपाय लागू करने का आग्रह किया था।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं को मिल रही सरकारी खजाने से सैलरी!

कर्नाटक में सिद्धारमैया सरकार द्वारा चुनाव पूर्व गारंटी को पूरा करने के लिए गठित पैनल के पदाधिकारियों के रूप में कांग्रेस कार्यकर्ताओं को नियुक्त करने और उनके वेतन और भत्तों के लिए धन निर्धारित करने के बाद बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। विपक्षी भाजपा और जेडीएस ने सत्तारूढ़ कांग्रेस पर अपने कार्यकर्ताओं को भुगतान करने के लिए करदाताओं के पैसे लूटने का आरोप लगाया है। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने जवाब दिया है कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं को राज्य सरकार के कार्यक्रमों की देखरेख करने का पूरा अधिकार है। भाजपा विधायकों ने आज विधान सौध के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। जेडी(एस) विधायक एमटी कृष्णप्पा ने कल विधानसभा में यह मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि जब विधायक और अधिकारी कार्यक्रम क्रियान्वयन की निगरानी कर रहे थे, तब कांग्रेस सरकार पार्टी कार्यकर्ताओं पर अनावश्यक रूप से धन खर्च कर रही थी।

विपक्ष के नेता आर अशोक ने उपमुख्यमंत्री और राज्य कांग्रेस प्रमुख शिवकुमार की आलोचना की और कहा कि वह सरकार और पार्टी के बीच अंतर करने में विफल रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया, आप करदाताओं का पैसा कांग्रेस कार्यकर्ताओं को कैसे दे सकते हैं? अगर आप उन्हें भुगतान करना चाहते हैं, तो सड़कों पर जाकर भीख मांगें। इन कांग्रेस कार्यकर्ताओं को कैबिनेट रैंक, आधिकारिक बंगले और कार्यालय दिए गए हैं। शिवकुमार ने इस कदम का बचाव किया। उन्होंने कहा कि यह सरकार की इच्छा है। इस सरकार को सत्ता में लाने वाले पार्टी कार्यकर्ताओं को इसके कार्यक्रमों की निगरानी करने का पूरा अधिकार है। अशोक ने फिर पूछा कि क्या भाजपा कार्यकर्ताओं को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रमों की निगरानी के लिए नियुक्त किया जा सकता है।पूर्व गृह मंत्री, भाजपा के अरागा ज्ञानेंद्र ने कहा कि पैनल में नियुक्त कांग्रेस कार्यकर्ता विधायकों के साथ काम करने के बजाय समानांतर बैठकें कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि क्या आपको हम पर भरोसा नहीं है? हम पहले से ही इसी उद्देश्य के लिए वेतन और भत्ते प्राप्त कर रहे हैं। यह अलोकतांत्रिक है। शिवकुमार ने जवाब दिया कि भाजपा ने हमेशा गारंटी का विरोध किया है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार गारंटी योजनाओं के लिए 52,000 से 56,000 करोड़ रुपये आवंटित कर रही है, जो बजट का 20 प्रतिशत है। भाजपा दिल्ली, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में भी गारंटी लागू कर रही है।

महिला सुरक्षा को लेकर विजय ने साधा डीएमके पर निशाना

अभिनेता-राजनेता विजय ने कहा परिवर्तन ही एकमात्र ऐसी चीज़ है जो स्थिर है। 2026 में हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि महिलाओं की सुरक्षा करने में विफल रही यह सरकार सत्ता से बाहर हो जाए। वहीं चेन्नई की मेयर प्रिया ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए विजय से आग्रह किया कि वे इस तरह के व्यापक बयान देने से पहले राजनीति की वास्तविकताओं से जुड़ें। उन्होंने अभी-अभी राजनीति में प्रवेश किया है और उन्हें और भी राजनीतिक वास्तविकताएँ देखनी हैं। मेयर ने सरकार की पहलों का बचाव करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने महिलाओं के उत्थान के उद्देश्य से योजनाओं को प्राथमिकता दी है। चेन्नई की मेयर आर प्रिया ने अभिनेता से नेता बने विजय पर डीएमके सरकार की आलोचना करने के लिए पलटवार किया। विजय ने तमिलनाडु में महिलाओं की सुरक्षा में विफल रहने का आरोप लगाया था। महिला दिवस के संदेश में विजय ने महिला सुरक्षा पर राज्य सरकार के ट्रैक रिकॉर्ड पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि मैं आप सभी को महिला दिवस की शुभकामनाएं देता हूं। क्या आप खुश हैं? आप तभी खुश रह सकते हैं जब आप सुरक्षित महसूस करें। मैं समझ सकता हूं कि जब आप असुरक्षित होते हैं तो खुश होने के बारे में आपको कैसा महसूस होता है। विजय ने कहा कि आपने और मैंने डीएमके सरकार को चुना। लेकिन अब हमें एहसास हुआ है कि उन्होंने हमारे साथ विश्वासघात किया है। सबकुछ बदल सकता है। चिंता न करें, 2026 में हम उन लोगों को हटा देंगे जो महिलाओं को सुरक्षा प्रदान करने में विफल रहे। अभिनेता-राजनेता ने कहा परिवर्तन ही एकमात्र ऐसी चीज है जो स्थिर है। 2026 में हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि महिलाओं की सुरक्षा करने में विफल रही यह सरकार सत्ता से बाहर हो जाए।

केरल देश में सबसे अधिक निवेश अनुकूल राज्य बन गया है : सीएम विजयन

केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने निवेश आकर्षित करने के लिए राज्य की सत्तारूढ़ मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) की नीतियों को रेखांकित करते हुए कहा कि पार्टी के दृष्टिकोण ने केरल को देश में सबसे अधिक निवेश-अनुकूल राज्य बना दिया है। विजयन ने चार दिवसीय माकपा राज्य सम्मेलन के तहत एक जनसभा को संबोधित करते हुए केरल की प्रगति के लिए संसाधन जुटाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा, कुछ लोग दुष्प्रचार कर रहे हैं कि माकपा राज्य के लिए कोई हानिकारक योजना बना रही है। पार्टी के रुख को स्पष्ट करते हुए उन्होंने कहा, हम ऐसे किसी भी पूंजी निवेश का स्वागत करते हैं जो देश के हितों को नुकसान नहीं पहुंचाता। हालांकि, हम ऐसी शर्तों के साथ निवेश स्वीकार नहीं करेंगे जो हमारे हितों के लिए हानिकारक हों।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

खास का ये हाल, आम लड़कियों की मत पूछिये!

महाराष्ट्र के जलगांव से आई एक केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता की नाबालिग बेटी के साथ छेड़छाड़ की खबर न केवल हैरान करती है बल्कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था की स्थिति पर सवाल भी खड़े करती है। राज्य में ही नहीं, देश के अन्य हिस्सों से भी ऐसी घटनाओं की खबरें आती रहती हैं। लेकिन महाराष्ट्र वाले मामले में कई ऐसे पहलू हैं, जो व्यवस्था में निहित गंभीर खामियों की ओर संकेत करते हैं।

देश जब महिला सशक्तिकरण व बालिका पढ़ाओं व बालिका बढ़ाओं जैसे बड़ी बाते करता है इन सबके बीच तब देश के केंद्रीय सरकार की एक मंत्री की बेटी के साथ छेड़छाड़ घटना की खबर जब सुखियों आती है तो एकमात्र प्रश्न यही उठता है जब वीवीआईपी व ताकतवर लोगों की बच्चियों के साथ ऐसी हो रहा है तब सोचिए आम आदमी की लड़कियों का क्या होगा। बता दें महाराष्ट्र में केंद्रीय मंत्री की नाबालिग बेटी के साथ छेड़छाड़ की घटना ने कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं। आरोपियों को राजनीतिक संरक्षण मिलने की बात और प्रशासन की नाकामी ने जनता की सुरक्षा में कमी को उजागर किया है। महाराष्ट्र के जलगांव से आई एक केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता की नाबालिग बेटी के साथ छेड़छाड़ की खबर न केवल हैरान करती है बल्कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था की स्थिति पर सवाल भी खड़े करती है। राज्य में ही नहीं, देश के अन्य हिस्सों से भी ऐसी घटनाओं की खबरें आती रहती हैं।

लेकिन महाराष्ट्र वाले मामले में कई ऐसे पहलू हैं, जो व्यवस्था में निहित गंभीर खामियों की ओर संकेत करते हैं। ध्यान देने की बात है कि बेटी के साथ कथित छेड़छाड़ की शिकायत दर्ज कराने केंद्रीय मंत्री खुद थाने पहुंचीं। हालांकि उन्होंने कहा कि वह थाने में मंत्री या सांसद की हैसियत से नहीं बल्कि एक मां के रूप में आई हैं। लेकिन उन्होंने यह सवाल भी किया कि जब एक केंद्रीय मंत्री और सांसद की बेटी के साथ ऐसा हो सकता है तो आम घरों की लड़कियों की क्या दशा होगी। पुलिस-प्रशासन हालांकि केंद्रीय मंत्री द्वारा शिकायत दर्ज कराए जाने के बाद तत्परता से कार्रवाई करते हुए दिख रहा है। लेकिन ध्यान रहे, यह इकलौती घटना नहीं है। दो-तीन दिन पहले भी उस बच्ची के साथ उन्हीं आरोपियों द्वारा छेड़छाड़ किए जाने की बात सामने आई है। आखिर ये कैसे आरोपी हैं जो केंद्रीय मंत्री की बेटी के साथ पुलिस सुरक्षा के बावजूद छेड़छाड़ करते हैं। सवाल है कि पहली घटना के बाद प्रशासन ने सख्त कदम क्यों नहीं उठाया। कड़ी कानूनी कार्रवाई अनिवार्य है, लेकिन मामला सिर्फ कानून व्यवस्था का नहीं है। प्रशासन की साख का भी है। समाज की संवेदनशीलता का भी है। परिवार में लड़कों के पालन-पोषण के तौर-तरीकों का भी है। देश के कोने-कोने से ऐसी छेड़छाड़ की खबरें आती रहती हैं और उससे कहीं ज्यादा के बारे में तो पता भी नहीं चलता। ऐसे मामलों को रोकने के लिए कानूनी सख्ती के साथ घर के अंदर भी पहल करनी होगी। लड़कों को कम उम्र से ही बताना होगा कि लड़कियों-स्त्रियों के साथ किस तरह से पेश आना चाहिए।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

चेतावनी से न चूके तो टाली जा सकती है त्रासदी

जयसिंह रावत

उत्तराखंड के सीमान्त क्षेत्र माणा के निकट गत दिनों सीमा सड़क संगठन के 54 मजदूर एक विशाल हिमस्खलन की चपेट में आ गये जिनमें से 8 की दुखद मौत हो गयी। इससे पहले 2021 के अप्रैल महीने में सीमान्त नीती घाटी के सुमना-मलारी क्षेत्र में एक हिमस्खलन हादसे में बीआरओ के एक दर्जन से अधिक मजदूरों की मौत हो गयी थी। उसी साल 7 फरवरी को हुए हिमस्खलन से बर्फीली झील टूटने से धौली गंगा और ऋषि गंगा में बाढ़ आ गयी थी। जिससे ऋषि गंगा तथा धौलीगंगा के पावर प्रोजेक्टों के तबाह होने के साथ ही 200 से अधिक श्रमिक मरे थे। सीमान्त जिले उत्तरकाशी के द्रोपदी डांडा में 2022 में हुए हिमस्खलन हादसे में लगभग 27 पर्वतारोहण प्रशिक्षुओं सहित सविता कौंसवाल जैसी पर्वतारोहियों की मौत हो गयी थी। वर्ष 2013 की केदारनाथ आपदा का असली कारण भी चोराबाड़ी झील का हिमस्खलन से फटना ही था।

चूंकि पश्चिमी हिमालय का क्षेत्र तिब्बत सीमा से लगा है, जो कि सामरिक दृष्टि से अति संवेदनशील है, इसलिये यहां सेना तथा अर्धसैन्य बलों की बारहों महीने तैनाती रहती है। इसलिये हमारे जांबाजों को हरदम हिमस्खलन के खतरे से दो-चार होना पड़ता है। लेकिन इतने गंभीर खतरे के बावजूद हमारी व्यवस्था पूरी तरह चौकस नहीं है। पश्चिमी हिमालय के इस अति संवेदनशील क्षेत्र के अध्ययन और पूर्व चेतावनियों के लिये रक्षा अनुसंधान एवं विकास द्वारा चंडीगढ़ में स्नो एण्ड एवलांच स्टडी स्टैब्लिस्मेंट (एसएएसई) स्थापित किया गया है। इसके अलावा राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) की भी स्थापना की गयी है। जो कि मौसम विभाग और एसएएसई से प्राप्त इनपुट के आधार पर हिमालयी क्षेत्रों में हिमस्खलन और चरम मौसम की चेतावनी निरन्तर देता रहता है। ऐसी ही एक चेतावनी एनडीएमए ने 27 और 28 फरवरी को जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखण्ड और सिक्किम के कुछ क्षेत्रों के लिये यलो और रेड एलर्ट के रूप में जारी की थी।

हादसे के दिन के लिये दी गयी चेतावनी में चमोली जिले के 2400 मीटर से अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों के लिये रेड एलर्ट जारी किया गया था, जिसे पूरी तरह नजरंदाज कर दिया गया और 54 मजदूरों की कोई खैर खबर नहीं ली गयी। पिछले सारे हादसों में मानवीय चूक और गंभीर लापरवाही

साफ नजर आती है। दरअसल, पश्चिमी भारतीय हिमालय में हिमस्खलनों की घटनाओं में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जहां बढ़ते तापमान के कारण हिम आवरण की स्थिरता प्रभावित हो रही है। बढ़ते तापमान, अधिक वर्षा और कम हिमपात के कारण हिमालय में बर्फ की प्रकृति बदल रही है। हिमालय में पृथ्वी के दो ध्रुवों के बाद तीसरा सबसे बड़ा बर्फ और ग्लेशियर का भंडार मौजूद है। लेकिन यह क्षेत्र वैश्विक औसत से अधिक तेजी से गर्म हो रहा है, जिससे सवाल उठता है कि जलवायु परिवर्तन, जिसमें हिमरेखा का पीछे हटना और ग्लेशियरों का पिघलना शामिल है, पूरे 2,500 किलोमीटर लंबे हिमालयी क्षेत्र में हिमस्खलनों की आवृत्ति और उनकी विनाशकारी क्षमता को कैसे प्रभावित करेगा। वैज्ञानिकों ने पाया है कि हिंदूकुश हिमालय में तापमान और वर्षा के पैटर्न पिछले 100 वर्षों में काफी बदल गए हैं। हिमालय का यह क्षेत्र स्वाभाविक रूप से हिमस्खलन-प्रवण है, लेकिन बढ़ते तापमान से बर्फ की परत (हिम आवरण) की संरचना बदल रही है, जिससे ढलान अस्थिर हो रहे हैं। दरअसल, हिमस्खलन तब शुरू होता है जब किसी पहाड़ी ढलान पर जमी हुई बर्फ की परत अस्थिर हो जाती है। अर्थात जब उस पर पड़ने वाला दबाव उसकी संरचनात्मक मजबूती से अधिक हो जाता है। बर्फ की परत की संरचनात्मक मजबूती एक गतिशील गुण है, जो उसकी संरचनात्मक ज्यामिति पर निर्भर करता है। जैसे कि बर्फ के कणों का आकार, आकार-प्रकार और उनके बीच का आपसी बंधन। दुनियाभर में बर्फ भौतिकी और यांत्रिकी के क्षेत्र में गहन शोध किया गया है और बर्फ की परत की मजबूती की प्रक्रिया को अच्छी तरह से समझा जा चुका है। यह ज्ञान हिमस्खलन की भविष्यवाणी करने के क्षेत्र में कार्यरत विशेषज्ञों द्वारा व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है। एक हिमस्खलन पूर्वानुमानकर्ता मूल रूप से बर्फ की संरचनात्मक मजबूती का आकलन करता है और फिर मौजूदा तथा संभावित अतिरिक्त दबावों के आधार पर हिमस्खलन की संभावना का निर्धारण करता है। अतिरिक्त दबाव का सबसे सामान्य प्राकृतिक स्रोत नई बर्फबारी या हवा द्वारा जमा की गई बर्फ होती है। वर्षों के अनुभव के आधार पर अब हिमस्खलनों की सटीक भविष्यवाणी करना संभव हो गया है, लेकिन फिर भी कुछ अप्रत्याशित घटनाएं होती हैं।

अभिव्यक्ति की आजादी व नैतिकता के यक्ष प्रश्न

संजय हेगड़े

रणवीर इलाहाबादिया मामले पर सर्वोच्च न्यायालय का बर्ताव झलक है कि किस तरह न्यायपालिका को रस्सी पर संतुलन साधकर चलना चाहिए-नैतिकता को लेकर बने हंगामे और संवैधानिक औचित्य के बीच। सोशल मीडिया के इस 'इन्फ्लुएंसर' को अंतरिम राहत एक कठिन सुनवाई के बाद मिली, जिसके केंद्र में नैतिकता को लेकर बना क्षोभ था। इलाहाबादिया की व्यक्तिगत स्वतंत्रता की रक्षा करने का न्यायालय का निर्णय सही था। फिर भी, जिस तरह से मामला आगे बढ़ा, उससे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर प्रतिकूल असर पड़ेगा। इलाहाबादिया, एक जानी-मानी सोशल मीडिया हस्ती हैं, उन्हें इंडियाज गॉट लेटेंट शो में की गई अपनी टिप्पणियों के कारण अनेक पुलिस प्राथमिकियों का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि, उनकी टिप्पणियों का उद्देश्य महज हंसाना था, लेकिन इसने पूरे देश में रोष खड़ा कर दिया।

मीडिया घरानों और राजनेताओं की नाराजगी ने आग में घी डालने का काम किया। लेकिन जैसा कि उनके वकील अभिनव चंद्रचूड़ ने सही तर्क दिया है : कानूनी सवाल यह नहीं है कि क्या इलाहाबादिया की भाषा अरुचिकर थी- जिसे हर कोई, जिसमें खुद उनके अपने वकील भी शामिल हैं, मानते हैं कि यह थी- बल्कि यह है कि क्या यह भारतीय कानून के तहत एक आपराधिक जुर्म बनता है। हालांकि, अदालत ऐसे सूक्ष्म अंतरों पर विचार करने के मूड में नहीं दिखी। सुनवाई के पूरे समय, इसने स्पष्ट रूप से अपनी नाराजगी व्यक्त किए रखी, इलाहाबादिया द्वारा बरती भाषा को 'गंदी', 'विकृत' और इसे इलाहाबादिया के दिमाग से निकली 'उल्टी' तक बताया। एक बिंदु पर, न्यायाधीश ने वकील चंद्रचूड़ से पूछा 'क्या आप इस तरह की भाषा का बचाव कर रहे हैं?' हालांकि, यह सवाल भले ही जुमला हो, लेकिन बचाव पक्ष के वकील की भूमिका को मूलत: गलत समझने की तरफ इशारा करता है बात वकील की अपने मुवक्किल के बोलों से सहमत होने या न होने की नहीं बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि गलीज से गलीज व्यक्ति तक को भी कानून के तहत उचित सुनवाई का मौका मिले।

सर्वोच्च न्यायालय नैतिकता का संरक्षक नहीं है। इसका प्राथमिक कर्तव्य संवैधानिक अधिकारों को बनाए रखना है, जिसमें अभिव्यक्ति की आजादी और व्यक्तिगत स्वतंत्रता भी शामिल है। लोकलुभावन भाषण देने लिए अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की सुरक्षा जरूरी नहीं है। संवैधानिक संरक्षण की जरूरत केवल नागवार, अलोकप्रिय अभिव्यक्ति पर लागू होती है, जब इसको लेकर मुकदमा चले। चंद्रचूड़ ने कानूनी सिद्धांतों पर ध्यान पुन: केंद्रित रखने के प्रयास में अपूर्व अरोड़ा मामले में दिए फैसले का हवाला दिया, जिसमें कहा गया था कि गाली-गलौज अपने आप में अश्लीलता नहीं है। उस मामले में न्यायालय ने फैसला सुनाया था कि इम्तिहान यह है कि क्या कोई कथन लम्पटता में आता है और उस सीमा को पार करता हो कि आपराधिक अश्लीलता बन जाए।

लेकिन अदालत पर इसका कोई असर नहीं हुआ और इसने पूछा, 'यदि यह अश्लीलता नहीं है, तो फिर अश्लीलता क्या है?' न्यायालय नैतिक शून्यता में काम नहीं करते, लेकिन उन्हें नैतिकता पर निजी धारणा को कानूनी तर्क पर हावी भी नहीं होने देना चाहिए। यह पूछकर कि क्या अरोड़ा मामला आपको 'जो चाहे बकने का लाइसेंस देता है', न्यायालय ने शालीनता को लेकर अपनी व्यक्तिगत समझ को मुक्त अभिव्यक्ति की सुरक्षा से अलग रखने में अनिच्छा को दर्शाया है। यह नोक-झोंक मुझे अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति पॉटर स्टीवर्ट द्वारा जैकोबेल्लिस बनाम ओहायियो राज्य (1964) मामले में अश्लीलता पर अपनी निजी धारणा की अंतिम सीमा के इम्तिहान को लेकर लिखे गए शब्दों की याद दिलाती है। 'प्रस्तुत मामले में पेश सामग्री अश्लील क्यों नहीं है', इसकी व्याख्या करते हुए स्टीवर्ट ने लिखा 'आज मैं उन सामग्रियों की किस्मों को परिभाषित करने का प्रयास और नहीं करूंगा, जिन्हें संक्षेप में मैं ठेठ यौन-सामग्री की परिधि में गिनता हूं और शायद मैं कभी भी समझदारी से ऐसा करने में सफल नहीं हो पाऊं। लेकिन जब मैंने इसको देखा, तो मुझे लगता है कि मामले में प्रस्तुत रील वैसी नहीं है।' इस पर स्टैंड-अप कॉमेडियनों ने चुटकी ली कि अश्लीलता वही, जो किसी जज को उत्तेजित करे। भारतीय कॉमेडियनों को नेक सलाह है कि वे यह न कहें कि अश्लीलता वही, जो किसी जज को नाराज़ करे।

सुनवाई का सबसे परेशान करने वाला पहलू यह था कि अदालत ने इलाहाबादिया के खिलाफ़ मौत की धमकियों को लगभग खारिज कर दिया। जब चंद्रचूड़ ने कहा कि उनके मुवक्किल को धमकियां मिल रही हैं, तो इस पर न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने टिप्पणी की, 'यदि आप इस तरह की बातें कहकर सस्ती लोकप्रियता हासिल करने की कोशिश कर सकते हैं, तो ऐसे अन्य लोग भी हो सकते हैं जो धमकियां देकर सस्ती लोकप्रियता हासिल करना चाहते हों'। इलाहाबादिया के शब्द चाहे कितने भी आहत करने वाले क्यों न हों, मौत की धमकियों को कभी भी 'इसी सज़ा का हकदार है' वाले तयशुदा हश्र के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए न ही देखा जा सकता है। अंतत: खंडपीठ ने एक नोटिस जारी किया और प्रतिवादियों से जवाब मांगा, इलाहाबादिया को अंतरिम राहत प्रदान की गई। आखिरकार, यह सही निर्णय रहा। हालांकि अदालत ने अनिच्छा से सही, यह माना कि बोलों की आपत्तिजनक प्रकृति के बावजूद, कानूनी तौर पर यह आपराधिक श्रेणी में तब होता यदि तीव्रता का स्तर और ज्यादा होता।

लहसुन

खाली पेट खाने से मिलते हैं कई फायदे

खाली पेट लहसून खाने के फायदे और नुकसान पर चर्चा करना एक दिलचस्प और महत्वपूर्ण विषय है। लहसून, जिसे हम गार्लिक के नाम से भी जानते हैं, हमारे रसोईघर का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह न केवल खाने का स्वाद बढ़ाता है, बल्कि सेहत के लिए भी बेहद फायदेमंद होता है। लेकिन, खाली पेट लहसून खाना सेहत के लिए ठीक है? अगर आपकी सेहत ठीक है और पेट की समस्याएँ नहीं हैं, तो आप इसे एक फायदेमंद आदत बना सकते हैं। हमेशा यह सुनिश्चित करें कि लहसून का सेवन सही मात्रा में किया जाए, और यदि आपको किसी तरह की समस्या हो तो डॉक्टर से सलाह जरूर लें।

कैसे करें सेवन

लहसुन की कली को हमेशा कुचलकर ही अपने भोजन में शामिल करें। चटनी में पर्याप्त मात्रा में लहसुन शामिल करें। लहसुन को चना आधारित ह्यूमस डिप और स्प्रेड के साथ मिश्रित करने का प्रयास करें। इसके फायदे पाने के लिए आपको हर दिन केवल 1-2 मध्यम आकार की लौंग की जरूरत है। बस इसके तीखे स्वाद और गंध की आदत डालने की जरूरत है। देवगन कहते हैं, इससे होने वाले फायदों को देखते हुए यह इतना बड़ा काम नहीं है।

सर्दी-खांसी में राहत

खाली पेट लहसून खाना शरीर की इम्यूनिटी को मजबूत करता है। लहसून में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स और एंटी-बैक्टीरियल गुण शरीर को संक्रमण से बचाने में मदद करते हैं। खासकर सर्दी-खांसी के मौसम में यह बहुत फायदेमंद साबित हो सकता है। सर्दी, जुकाम, खांसी की परेशानी होने पर अगर लहसुन खाना शुरू कर दें तो यह दवा से ज्यादा कारगर साबित हो सकता है। लहसुन की तासीर गर्म होती है और लोगों को सर्दी से बचाने में भी मदद करता है। हर मौसम में लहसुन का थोड़ा बहुत सेवन करना चाहिए, लेकिन सर्दियों में इसे खाने से ज्यादा फायदा मिल सकता है। वहीं लहसून का सेवन रक्त शर्करा (ब्लड शुगर) के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करता है। यह डायबिटीज के मरीजों के लिए एक प्राकृतिक उपाय साबित हो सकता है।

पाचन तंत्र को करे ठीक

लहसून में सल्फर कंपाउंड्स होते हैं जो पेट के बैक्टीरिया को नियंत्रित करने में मदद करते हैं। यह गैस, अपच और अन्य पेट की समस्याओं को कम करने में मदद करता है। खाली पेट लहसून खाने से पाचन तंत्र सही तरीके से काम करता है। वहीं लहसून शरीर के मेटाबोलिज्म को बढ़ाता है, जिससे वजन घटाने में मदद मिलती है। यह शरीर के चर्बी को जलाने में सहायक होता है। यदि आप वजन कम करने की कोशिश कर रहे हैं, तो खाली पेट लहसून का सेवन फायदेमंद हो सकता है। वहीं खाली पेट लहसून का सेवन कुछ लोगों को गैस, बदहजमी या पेट में जलन जैसी समस्याओं का कारण बन सकता है। यह खासकर उन लोगों के लिए होता है जिनका पेट सेंसिटिव है। अगर आपको पेट में तकलीफ होती है, तो लहसून का सेवन कम करें।

हृदय रहेगा स्वस्थ

लहसून का सेवन कोलेस्ट्रॉल को कम करने, रक्तदाब को नियंत्रित करने और दिल को स्वस्थ रखने में मदद करता है। खाली पेट लहसून खाने से रक्त प्रवाह में सुधार होता है और दिल की बीमारियों का खतरा कम होता है। वहीं लहसून में एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो मस्तिष्क को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। यह उम्र बढ़ने के साथ मस्तिष्क के कार्यों में गिरावट को रोकने में मदद कर सकता है। वहीं लहसून का सेवन रक्त को पतला करता है, जो कुछ मामलों में समस्या पैदा कर सकता है, खासकर अगर आप पहले से ही रक्त पतला करने वाली दवाइयाँ ले रहे हों। ऐसे में लहसून का सेवन सीमित मात्रा में करें।

शरीर को डिटॉक्स करे

लहसुन एक बेहद ही शक्तिशाली फूड है, जो शरीर को डिटॉक्स करने में मदद करता है। इसके सेवन से पैरासाइट्स और कीड़ों से छुटकारा मिलता है, साथ ही आप कई बीमारियों से बचे रह सकते हैं। यह कई तरह के कैंसर, डायबिटीज, डिप्रेशन आदि बीमारियों के होने के जोखिम को काफी हद तक कम करता है। जब आप लहसुन खाते हैं तो यह टीबी, निमोनिया, ब्रोनकाइटिस, फेफड़ों में कंजेशन, अस्थमा, कफ आदि में लाभ पहुंचाता है।

हंसना मना है

अपना बच्चा रोये तो दिल में दर्द होता है, और दुसरे का रोये तो सिर में। अपनी बीवी रोये तो सिर में दर्द होता है, और दुसरे की रोये तो दिल में।

पूरी शराब की बोतल ही गटक ली आज उसने। बीवी ने तो सिर्फ इतना ही कहा था आज 'PK' दिखा दो।

मेरी बात गौर से सुनना, अगर कोई आपको पागल कहे तो दुखी मत होना, अफसोस भी मत करना और रोना भी मत, बस आराम से चेयर पर बैठ कर सोचना की। इसको पता कैसे चला।

जितना गौर से लोग टकराने के बाद एक दूसरे को देखते है, उतनी गौर से अगर पहले ही देख लें, तो टक्कर ही नहीं होती।

एक मास्टर जी के घर में 7-8 मास्टर मेहमान आ गए, मास्टर जी की बीवी बोली, घर में चीनी नहीं है, चाय कैसे बनाऊं? मास्टर ने कहा, तुम सिर्फ चाय बनाकर ले आओ, बाकी मै सम्भाल लूंगा। बीवी चाय बनाकर ले आई। मास्टरजी ने कहा, जिस के हिस्से में फिकी चाय आएगी, कल हम सब उनके घर मेहमान बनकर खाने के लिए आएंगे, सभी मास्टरों ने खुशी से चाय पी ली। एक ने तो यहां तक कह दिया, मेरी चाय में तो इतनी चीनी है। कि डर है कहीं डायबिटीज ना हो जाए!!

कहानी | राजा और मूर्ख बंदर

बहुत पुरानी बात है, एक राजा के पास पालतु बंदर था। राजा उस बंदर पर बहुत विश्वास करता था, क्योंकि वह बंदर राजा का भक्त था। बंदर राजा की पूरे मन से सेवा करता था, लेकिन बंदर बिल्कुल मूर्ख था। उसे कोई भी काम ठीक से समझ नहीं आता था। राजा जब भी विश्राम करता बंदर उसकी सेवा के लिए हाजिर हो जाता था। उसके लिए हाथ पंखा चलाता था। एक दिन की बात है, जब राजा सो रहा था और बंदर उसके लिए पंखा झल रहा था, तभी एक मक्खी भिन भिनाते हुए राज के ऊपर आकर बैठ जाती है। बंदर उस मक्खी को पंखे से बार-बार भागने की कोशिश करता है, लेकिन मक्खी उड़कर कभी राजा की छाती पर, कभी सिर पर, तो कभी जांघ पर जाकर बैठ जाती थी। मूर्ख बंदर काफी समय तक ऐसे ही मक्खी को भागने की कोशिश करता रहा, लेकिन मक्खी वहां से जाने का नाम ही नहीं ले रही थी। यह देखकर बंदर को क्रोध आ जाता है और वह पंखा छोड़कर तलवार निकाल लेता है। जब मक्खी राजा के माथे पर बैठती है, तो बंदर तलवार लेकर राजा की छाती पर चढ़ जाता है। यह देख कर राजा काफी डर जाता है। फिर मक्खी माथे से उड़ जाती है, तो बंदर उसे मारने के लिए हवा में तलवार चलता है। इसके बाद मक्खी राजा के सिर पर जाकर बैठ जाती है, तो बंदर के तलवार से राजा के बाल कट जाते है और जब मूंछ पर बैठती है, तो मूंछ कट जाती है। यह देख राजा कमरे से जान बचाकर भागता है और बंदर तलवार लेकर उसके पीछे भागता है। इससे पूरे महल में उथल-पुथल मच जाती है।

कहानी से सीख-इस कहानी से यह सीख मिलती है कि किसी मूर्ख को ऐसा काम न सौंपे, जो बाद में आपके लिए ही खतरा उत्पन्न कर दें।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज बाहरी शत्रु सक्रिय रहेंगे। स्वास्थ्य कमजोर होगा। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। बेरोजगारी दूर होगी। लाभ होगा। मान-प्रतिष्ठा में कमी आएगी।

वृषभ

पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी।

मिथुन

पुराना रोग उभर सकता है। शोक समाचार मिल सकता है। भागदौड़ रहेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। अधूरे कामों में गति आएगी। व्यावसायिक गोपनीयता भंग न करें।

कर्क

यात्रा सफल रहेगी। प्रयास सफल रहेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय में उन्नति के योग हैं। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

सिंह

पुराने मित्र व संबंधियों से मुलाकात होगी। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। मान बढ़ेगा। स्वजनों से मेल-मिलाप होगा। आर्थिक संपन्नता बढ़ेगी।

कन्या

रोजगार मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। नौकरी में अधिकार बढ़ेंगे। व्यावसायिक समस्या का हल निकलेगा।

तुला

ऐश्वर्य पर व्यय होगा। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। राजकीय कार्य में परिवर्तन के योग बनेंगे।

वृश्चिक

लेन-देन में सावधानी रखें। बकाया वसूली के प्रयास सफल रखें। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी। कानूनी मामले सुधरेंगे। धन का प्रबंध करने में कठिनाई आ सकती है।

धनु

आज विवाहितों को ससुराल के क्षेत्र में मान-सम्मान प्राप्त होगा। नौकरी में नए अनुबंध होंगे। नई योजना बनेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी।

मकर

पूजा-पाठ में मन लगेगा। कोर्ट व कचहरी के काम निबटेंगे। लाभ के अवसर मिलेंगे। प्रसन्नता रहेगी। कुछ मानसिक अंतर्द्वंद्व पैदा होंगे। यात्रा आज न करें।

कुम्भ

पुराना रोग उभर सकता है। चोट व दुर्घटना से बचें। वस्तुएं संभालकर रखें। बाकी सामान्य रहेगा। व्यापार-व्यवसाय सामान्य रहेगा। पठन-पाठन में रुचि बढ़ेगी।

मीन

मन में आज बेचैनी रहेगी। कुंवारों को वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। कोर्ट व कचहरी में अनुकूलता रहेगी। धनार्जन होगा। संतान के स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

बॉलीवुड | मन की बात

स्टीवन स्पीलबर्ग ने की जॉन अब्राहम की तारीफ

जॉन अब्राहम ने अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग से की थी। इसके बाद वह बॉलीवुड में आए, लेकिन 20 साल से ज्यादा समय तक इंडस्ट्री में रहने के बावजूद उनकी एक्टिंग की अक्सर आलोचना होती रही। हालांकि, हॉलीवुड के मशहूर निर्देशक स्टीवन स्पीलबर्ग ने जॉन की एक फिल्म देखने के बाद उनकी जमकर तारीफ की थी। इस बात का खुलासा खुद जॉन ने हाल ही में किया है। जॉन ने हाल ही में 2006 के ऑस्कर समारोह का अपना अनुभव साझा किया। उन्होंने कहा कि वॉटर में वह लीड रोल में थे। उनके साथ लीजा रे, सीमा बिस्वास और वहीदा रहमान जैसे सितारे भी थे। यह फिल्म बेस्ट फॉरेन लैंग्वेज फिल्म कैटेगरी में नॉमिनेट हुई थी। भले ही फिल्म को ऑस्कर न मिला, लेकिन फिर भी उनके लिए वे पल खास रहे। जॉन ने कहा, ऑस्कर में मुझे स्टीवन स्पीलबर्ग से मिलने का मौका मिला। उन्हें वॉटर में मेरा काम बहुत पसंद आया, लेकिन यहां भारत में इस फिल्म पर किसी ने बात नहीं की। उन्होंने हॉलीवुड एक्ट्रेस चार्लीज थेरॉन से हुई बातचीत का भी जिक्र किया। चार्लीज ने जॉन से कहा, मुझे आपका काम अच्छा लगा। वॉटर फिल्म की बनने की कहानी भी कम दिलचस्प नहीं है। पहले इसमें शबाना आजमी, नंदिता दास और अक्षय कुमार को कास्ट किया गया था। फिल्म की शूटिंग वाराणसी में होनी थी, लेकिन दीपा मेहता की पिछली फिल्म फायर को लेकर विवाद के चलते वॉटर की शूटिंग रोक दी गई। विरोध इतना बढ़ा कि प्रोजेक्ट बंद करना पड़ा। कई साल के बाद दीपा ने इसे फिर शुरू किया। इस बार नई कास्ट के साथ फिल्म श्रीलंका में शूट हुई। वर्क फ्रंट की बात करें तो जॉन अब्राहम जल्द ही फिल्म द डिप्लोमैट में नजर आने वाले हैं। शिवम नायर के निर्देशन में बनी यह फिल्म सच्ची घटना पर आधारित है। यह फिल्म 14 मार्च को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है।

क्रिमिनल साइकोलॉजिस्ट बनना चाहती थीं गीता

बॉलीवुड की खूबसूरत एक्ट्रेस और क्रिकेटर हरभजन सिंह की पत्नी गीता बसरा को भला कौन नहीं जानता। उनके हुस्न के आज भी लाखों दीवाने हैं। वो भले ही लंबे अरसे से पर्दे से दूर हों, लेकिन उनकी चमक अभी भी बरकरार है। बेहद कम समय में बॉलीवुड इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाने वालीं गीता बसरा आज अपना 41वां जन्मदिन मना रही हैं। गीता बसरा का जन्म 13 मार्च, 1984 को पोर्ट्समाउथ (यूके) में हुआ था। गीता ने बॉलीवुड की कई फिल्मों में काम किया है। गीता बसरा ने किशोर नमित कपूर एक्टिंग इंस्टीट्यूट से ट्रेनिंग ली है, जहां ऋतिक रोशन, प्रियंका चोपड़ा और विक्की कौशल जैसे कलाकारों ने भी ट्रेनिंग ली है। वह बहुत कम उम्र में अभिनेत्री बनने के लिए मुंबई आ गईं। उन्होंने महज दो साल की उम्र से ही स्टेज पर परफॉर्म करना शुरू कर दिया था। गीता बसरा को वर्ष 2006 में रिलीज हुई फिल्म दिल दिया है में इमरान हाशमी के साथ पहला ब्रेक मिला। इससे पहले अभिनेत्री सफल मॉडल भी रहीं। फिल्मों में गीता ने अपने बोल्ड लुक से खूब सुर्खियां बटोरीं। गीता बसरा ने हिंदी और पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री में छह फिल्मों में मुख्य भूमिका निभाई है। अभिनेत्री का करियर 2006 से 2016 तक चला। गीता के बारे में एक दिलचस्प बात यह भी है कि अगर वह एक्टिंग में करियर नहीं बनाती तो वह एक क्रिमिनल साइकोलॉजिस्ट होतीं। जब उन्होंने पढ़ाई छोड़कर अपने सपने को पूरा करने का फैसला किया तो वह साइकोलॉजी की पढ़ाई कर रही थीं। गीता बसरा ने हरभजन सिंह के साथ कई वर्षों की डेटिंग के बाद 2015 में शादी रचाई है। हरभजन सिंह ने गीता बसरा की फिल्म द ट्रेन का गाना वो अजनबी देखा और उन्हें गीता पहली नजर में ही पसंद आ गईं। उन्हें युवराज सिंह ने किसी तरह बॉलीवुड में अपने संबंधों का इस्तेमाल करके गीता का नंबर निकाल कर दिया, लेकिन गीता ने शुरू में हरभजन को इग्नोर कर दिया। इस बीच भारतीय टीम ने महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में खेले गए टी20 वर्ल्ड कप-2007 में जीत हासिल की। इस जीत के बाद गीता ने हरभजन को मैसेज किया और बधाई दी। दोनों की थोड़ी बातचीत शुरू हुई और लगभग एक साल बाद दोनों की पहली डेट हुई और यहां से ही धीरे-धीरे दोनों की डेटिंग शुरू हुई और रिश्ता प्यार में बदल गया, जिसके बाद 2015 में दोनों ने शादी रचा ली। दोनों की एक बेटी हिनाया भी है।

पहले किया इग्नोर फिर बनीं हरभजन के दिल की रानी

शनाया ने पिता से काफी कुछ सीखा: महीप कपूर

हाल ही में बेजॉय नांबियार की फिल्म 'तू या मैं' का टीजर रिलीज हुआ। इस टीजर में शनाया कपूर भी नजर आईं, इस फिल्म के अलावा नई अभिनेत्री के पास कुछ और फिल्में भी हैं। हाल ही में शनाया कपूर की मां महीप कपूर ने बेटी को लेकर, उसके करियर को लेकर कुछ जरूरी बातें एक बातचीत में बताईं। हाल ही में फिल्मफेयर से की गई बातचीत में शनाया कपूर की मां महीप कपूर कहती हैं, 'उसने एक्टिंग की दुनिया में अपने पिता का संघर्ष देखा है। इस वजह से वह काफी सेंसिटिव है, अपने काम पर पूरा ध्यान देती है। शनाया ने कुछ फिल्में साइन की हैं और वह इनके लिए बहुत ज्यादा मेहनत कर रही है।' बेजॉय नांबियार द्वारा निर्देशित फिल्म 'तू या मैं' में शनाया का किरदार काफी दमदार है। यह फिल्म एक सर्वाइवल थ्रिलर है। फिल्म में दर्शको को प्यार, रोमांस के अलावा सस्पेंस भी देखने को मिलेगा।

बॉलीवुड | मसाला

फिल्म के हालिया रिलीज टीजर में फिल्म की कहानी की झलक भी मिली। इसमें दो इंफ्लुएंसर हैं, जो एक मुश्किल में फंस जाते हैं, इस दौरान उनका सामना मौत से भी होता है। यह फिल्म अगले साल फरवरी महीने में रिलीज होगी। फिल्म 'तू या मैं' के अलावा शनाया कपूर को हाल ही में एक और फिल्म मिली है। इस फिल्म का नाम 'जेसी है। इसके अलावा वह विक्रांत मैसी के साथ एक फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' की भी कर रही हैं। इस फिल्म की शूटिंग कुछ दिन पहले ही खत्म हुई है।

दुनिया से 10 कदम आगे है जापान, वहां किचन में ऐसे बर्तन होते हैं इस्तेमाल

भारत में चीन के बने सामान काफी बिकते हैं। ये क्रिएटिव के साथ साथ सस्ते तो होते हैं लेकिन टिकाऊ नहीं होते। इस वजह से चीन के बने सामान लंबे समय तक चल नहीं पाते। लोग भी इन्हें खरीदने से पहले कई बार सोचते हैं। खासकर किचन के लिए बनाए गए सामान अगर चीन के बने हुए हैं तब तो सबसे ज्यादा अनसेफ माने जाते हैं। किचन में बनाया जाने वाला खाना गर्म होता है। अगर कोई दुर्घटना हुई तो सीधे जान पर खतरा बन सकता है। बात अगर तकनीक की करें, तो चीन से भी काफी आगे है जापान। जापानी तकनीक के आगे दुनिया के कई देश फेल हो जाते हैं। इसके इन्वेंशन आपको भी हैरान कर देंगे। ना सिर्फ इन इन्वेंशन में क्रिएटिविटी होती है बल्कि ये लोगों की लाइफ काफी आसान भी बना देते हैं। सोशल मीडिया पर जापान द्वारा बनाए गए ऐसे ही कुछ किचन इक्विपमेंट्स का वीडियो शेयर किया गया। इस वीडियो को देखने के बाद आप भी वाह करने से खुद को रोक नहीं पाएंगे। वायरल हो रहे वीडियो को देखने के बाद आप जापानी इन्वेंशन के फैन हो जायेंगे। इसमें किचन के लिए ऐसी कड़ाही बनाई गई है, जिसे चलाने के लिए इंसान की जरुरत ही नहीं होगी। इस कड़ाही में स्पेशल तरीके के औजार लगे हैं, जो अपने आप ही खाने को टॉस करते हैं। इससे खाना चलाते हुए आपके हाथ के जलने की समस्या खत्म हो जाएगी। ये कड़ाही काफी आराम से खाना चलने में मदद करती दिखाई दी। वीडियो को अभी तक लाखों बार देखा जा चुका है। कई लोगों ने इन कड़ाहियों को देखकर उसकी तारीफ की। उन्हें यकीन ही नहीं हुआ कि ऐसे भी खाना बनाया जा सकता है। सिर्फ कड़ाही में तेल और सब्जी डालो और अपने आप ही खाना बनता जाएगा। कड़ाही को चलाने के लिए किसी की जरुरत नहीं पड़ेगी। कई ने ऐसे कड़ाही कहां से ऑर्डर करने है, इसे लेकर भी जानकारी मांगी। हालांकि, कुछ लोगों ने बताया कि ये तो आलसीपन की हद है।

अजब-गजब | इस रहस्यमयी जगह पर तेंदुए और इंसान रहते हैं साथ-साथ

100 साल हो गए, पर नहीं हुई अब तक कोई अनहोनी!

एक वक्त था, जब इंसान जंगलों में रहा करता था। वो खुद को खतरनाक जीवों से बचाना और उनके साथ रहना भी जानता था। हालांकि बाद में बस्तियां बसीं और इंसानों और जानवरों के बीच की ये खास बॉन्डिंग खत्म हो गई। इंसानों ने कई जानवरों को पालतू बना लिया और जो जंगली रह गए, उनसे दूरी बनाकर रखने लगा। आपने कभी सोचा है कि आज के युग में भी क्या इंसान और जानवर साथ रह सकते हैं? जब इंसान के हाथ में हथियार होते हैं, तो वो जानवरों का शिकार करता है और जब जानवर खूंखार होता है, तो वो इंसानों पर भी भारी पड़ जाता है। हालांकि अपने ही देश में एक जगह ऐसी भी है, जहां इंसानों और खतरनाक शिकारी माने जाने वाले तेंदुओं के बीच ऐसा सामंजस्य बना हुआ है कि ये साथ-साथ रहते हैं। एक-दो नहीं बल्कि करीब 10 गांवों में सैकड़ों तेंदुओं ने इंसानों के साथ अपना घर बना रखा है। वेबसाइट ऑडिटी सेंट्रल के मुताबिक पिछले 100 साल से तेंदुए और इंसान एक साथ रह रहे हैं। इसके बीच प्यार और सामंजस्य ऐसा बन चुका है कि तेंदुए इंसान या उनके बच्चों को कोई नुकसान नहीं पहुंचाते। लोगों को भी तेंदुओं के साथ रहने की ऐसी आदत पड़ चुकी है कि उन्हें सामने देखकर भी कोई बच्चा भी उनसे नहीं डरता। बताया जाता है कि एक बार एक तेंदुआ बच्चे को मुंह में दबाकर ले गया था लेकिन फिर जंगल में जाने से पहले ही उसे छोड़ गया। अब कस्बे के से दसों गांवों में इस तरह तेंदुए घूमते हैं कि लोग उन्हें अपनी ही तरह समझने लगे हैं। इस कस्बे में रबारी जनजाति के लोग रहते हैं। बताया जाता है कि ये जनजाति चरवाहों की है और ये लोग हज़ारों साल पहले अफगानिस्तान के रास्ते इरान से होकर राजस्थान आ गए थे। भगवान की शिव की उपासना करने वाले ये लोग मानते हैं कि तेंदुए भगवान की ओर से भेजे गए उनके रक्षक है। वे कभी उन्हें नुकसान नहीं पहुंचाते और लोग भी उन्हें प्यार करते हैं। दिलचस्प ये भी है कि अगर वे उनके मवेशियों को भी खा लें, तो उन्हें वे बलि समझकर माफ कर देते हैं।

कर्ज का पैसा जनहित में नहीं नेताओं पर हो रहा खर्च : पटवारी

» मप्र सरकार फिर लेगी कर्ज, कांग्रेस अध्यक्ष ने उठाए सवाल

» बोले- बस मंत्रियों के बंगले चमकाने का हो रहा काम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। प्रदेश सरकार योजनाओं को संचालित करने के लिए लगातार कर्ज पर कर्ज ले रही है। सरकार 19 मार्च को फिर 6 हजार करोड़ का कर्ज लेने जा रही है। रंग पंचमी के दिन एमपी सरकार इस साल में तीसरी बार बाजार से कर्ज लेगी। प्रदेश में बढ़ रहे कर्ज को लेकर कांग्रेस पार्टी के नेता लगातार सरकार को घेर रहे हैं और सवाल खड़े कर रहे हैं। पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने प्रदेश सरकार पर बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि कर्ज से जनहित के काम नहीं किए जा रहे हैं बल्कि मंत्रियों के बंगले सुधारे जा रहे हैं। मध्य प्रदेश से ऐसा राज्य है, जहां जब बच्चा पैदा होता है तो 60 हजार का कर्जदार होता है।

पटवारी ने दावा किया कि प्रदेश पर 5 लाख करोड़ का कर्ज है।

समझ में नहीं आता मध्य प्रदेश सरकार आखिर कर्ज किस लिए ले रही है? कर्ज लेकर जनहित की योजनाएं संचालित नहीं की जा रहीं, बल्कि इस राशि का प्रयोग मंत्रियों के बंगले चमकाने में होता है। पटवारी ने आगे कहा कि मप्र को इस वित्तीय वर्ष में कुल 62,835 करोड़ रुपये तक कर्ज लेने की अनुमति है। इस हिसाब से 31 मार्च तक सरकार सिर्फ 5,800 करोड़ रुपये और कर्ज ले सकती है। 19 मार्च को लिया जाने वाला कर्ज 7, 21 और 24 साल की अवधि के लिए होगा। वित्त विभाग ने इसके लिए आरबीआई के जरिए अधिसूचना जारी कर दी है।

प्रदेश में कानून नाम की चिड़िया नहीं बची

पटवारी ने कहा कि मध्य प्रदेश में जिस तरह की कानून व्यवस्था के हाल हो गए हैं। ऐसा पहला प्रदेश बन गया है, जहां पर पुलिस की पिटाई लगातार और बार-बार होती है।पिछले तीन दिनों में तीन जगह पुलिस पिटी है। इंदौर में वकीलों ने एक टीआई यादव जी को दौड़ा-दौड़ा कर मारा। वकीलों का आरोप है कि यादव जी टीआई साहब दारू पीकर शराब के नशे में पहुंचे थे। मऊगंज में पुलिस की हत्या हो जाना यह क्या मैसेज है? फिर मंडला में एक आदिवासी की पुलिस ने नक्सली बताकर हत्या कर दी। देश के प्रधानमंत्री, देश के गृहमंत्री जी मध्य प्रदेश में कानून नाम की चिड़िया नहीं बची।

गृहमंत्री का काम हुआ फेल

पीसीसी चीफ ने कहा है कि मध्य प्रदेश ऐसा पहला प्रदेश है, जहां पर पुलिस का काम सिर्फ अवैध धंधे चलाना हो गया है। एक जगह घटना नहीं होती, हर शहर, हर जिले की यह स्थिति है। मतलब यह है कि गृहमंत्री का काम पूरा फेल हो गया। हमने बार-बार गृहमंत्री जी से मांग की थी कि आप प्रदेश के मुख्यमंत्री भी हो। जिस तरीके के हालात बन रहे हैं, उसका कोई एकमात्र दोषी है तो वह आप हैं।

मुख्यमंत्री दें इस्तीफा

पीसीसी चीफ ने कहा कि मैं मानता हूं कि सीएम इस्तीफा देना चाहिए। प्रधानमंत्री से आग्रह करता हूं कि अगर मुख्यमंत्री इस्तीफा नहीं देते हैं तो आपको इनका इस्तीफा लेना चाहिए। पुलिस की हत्या होना छोटी घटना नहीं है और पुलिस को सड़क पर दौड़ा-दौड़ा कर मारना भी छोटी हत्या, छोटी घटना नहीं है। यहां कानून है क्या? यह पता नहीं चलता।

नक्सली बताकर पुलिस ने की आदिवासी की हत्या

जीतू पटवारी ने कहा मंडला में पुलिस ने ही कहा कि हमने एक नक्सली को मौत के घाट उतार दिया। एनकाउंटर कर दिया। फिर पुलिस ने ही कहा कि यह तो गलती हो गई, बीच में जब फायरिंग चल रही थी तो वह बीच में आ गया। परिजनों ने कहा कि उसकी हत्या कर दी तो यह कुल मिलाकर एक सीधे-साधे आदिवासी, जिसकी सुरक्षा सरकार करती है, उसकी पुलिस हत्या करती है तो मैं समझता हूं कि मानवीय आधार पर इसकी भर्त्सना करनी चाहिए।

गुटबाजी से दूर रहकर उठाओ जनता की आवाज : दिग्विजय

» पूर्व सीएम ने कांग्रेस नेताओं को दी नसीहत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने कांग्रेस नेताओं को आपस में नहीं लड़ने और गुटबाजी से दूर रहने की नसीहत दी है। दिग्विजय सिंह ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया है। उन्होंने लिखा कि कांग्रेस के साथियों, मंच की लड़ाई समाप्त करो और जनता के लिए महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज, उठाओ लड़ाई लड़ो। जानकारी के लिए बतादें कि किसान कांग्रेस बजट सत्र के पहले दिन बीजेपी सरकार के खिलाफ कई मुद्दों को लेकर प्रदर्शन कर रही थी।

इस दौरान भोपाल के रंगमहल चौराहे पर आयोजित कार्यक्रम में मंच पर भारी भीड़ जमा हो गई थी, जिसके चलते मंच गिर गया था। मंच टूटने से कई नेताओं को चोटें आईं, जिन्हें तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। किसान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह चौहान भी घायल हुए थे। प्रदर्शन में पीसीसी चीफ जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी सहित कई कांग्रेसी नेता शामिल हुए थे। कांग्रेस के कार्यक्रम में मंच गिरने की पहली घटना नहीं है। इसके पहले भी राष्ट्रीय और केंद्रीय नेताओं के कार्यक्रम के लिए बनाए गए मंच नेताओं की संख्या क्षमता से अधिक होने के कारण गिर चुके हैं।

भाजपा नेता सुंदरराजन पुलिस हिरासत में

» टीएएसएमएसी घोटाले को लेकर प्रदर्शन से पहले हुई कार्रवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। राज्य सरकार के स्वामित्व वाली शराब कंपनी तमिलनाडु राज्य विपणन निगम (टीएएसएमएसी) में कथित घोटाले को सियासत जोरों पर है। भाजपा ने मामले में मुख्यमंत्री एमके स्टालिन सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। इस बीच पुलिस ने चेन्नई में भाजपा नेता तमिलिसाई सुंदरराजन को हिरासत में लिया। इस दौरान बीजेपी नेता ने कहा, वे मुझे मेरे घर से गिरफ्तार कर रहे हैं... मैं अलग से नहीं जाऊंगी।

मैं चाहती हूं कि हर कोई मेरे साथ आए। सरकार द्वारा संचालित टीएएसएमएसी का तमिलनाडु में शराब व्यापार पर पूर्ण एकाधिकार है और यह थोक विक्रेता है। यह राज्य भर में शराब की दुकानें संचालित करता है। ईडी ने टीएएसएमएसी से शराब की अधिक आपूर्ति का ऑर्डर हासिल करने के लिए रिश्वत दिए जाने का आरोप लगाया था। सेंथिल बालाजी ने कहा कि यह आरोप अस्वीकार्य है।

घोटाले का दावा निराधार : बालाजी

इससे पहले तमिलनाडु के मंत्री वी सेंथिल बालाजी ने को कहा था कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से सरकारी शराब खुदरा विक्रेता 'टीएएसएमएसी' में 1000 करोड़ रुपये के घोटाले का दावा निराधार है। यह एक सामान्य आरोप है। सरकार कानूनी रूप से इस मामले का सामना करने के लिए तैयार है। आबकारी मंत्री ने कहा कि राज्य के स्वामित्व वाली शराब कंपनी तमिलनाडु राज्य विपणन निगम (टीएएसएमएसी) पारदर्शिता के साथ काम करती है।

» बोले- सिर्फ लोगों से मिल रही है दिल्ली की सीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी नेता सौरभ भारद्वाज ने कहा कि जब से वह (रेखा गुप्ता) दिल्ली की मुख्यमंत्री बनी हैं। तब से वह सिर्फ लोगों से मिल रही हैं। भाजपा ने अपने घोषणापत्र में जो वादे किए हैं। उनमें महिला समृद्धि योजना के जरिए दिल्ली की हर महिला को हर महीने 2500 रुपये देने का प्रावधान, गरीब तबके की महिलाओं को 500 रुपये में एलपीजी सिलेंडर, होली और दिवाली पर मुफ्त सिलेंडर, दलितों को छात्रवृत्ति आदि शामिल हैं। इन सभी वादों का प्रावधान बजट में किया जाना चाहिए।

वहीं दूसरी तरफ अरविंद केजरीवाल की भाजपा नेता लक्ष्मी कांता चावला से मुलाकात पर दिल्ली के मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा की टिप्पणी पर आप प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने कहा कि दिल्ली में भाजपा सरकार से पहले नेताओं की मुलाकात को कमतर नहीं समझा जाता था। वे लोगों में नकारात्मकता फैलाते हैं। नेताओं को सवाल की भावना से देखते हैं। भाजपा के साथ गठबंधन का सवाल ही नहीं उठता है।मनजिंदर सिंह सिरसा पर अब बड़ी जिम्मेदारी है। हमने उन्हें एक बेहतरीन अर्थव्यवस्था दी है। उन्हें अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधने के बजाय इस पर ध्यान देना चाहिए।

नकारात्मकता फैलाते हैं भाजपा के नेता : प्रियंका कक्कड़

वादों को बजट में शामिल करे भाजपा : भारद्वाज

कुछ लोग फैला रहे हैं समाज में काला रंग : मनीष सिसोदिया

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में आप नेता मनीष सिसोदिया ने कार्यकर्ताओं और अन्य लोगों के साथ होली मनाई। इस मौके पर सत्येंद्र जैन और उनके खिलाफ भ्रष्टाचार के मामले में मुकदमा चलाने के लिए राष्ट्रपति की मंजूरी पर आप नेता मनीष सिसोदिया ने कहा कि यह भी समाज का एक रंग है, जब हम गुलाल लगा रहे हैं और रंग फैला रहे हैं, तो कुछ लोगों के जीवन में काला रंग है और वे उस काले रंग को फैलाएंगे। हमारे जीवन में चमकीले रंग हैं और हम उसे फैलाएंगे। सिसोदिया ने होली के अवसर पर सभी को शुभकामनाएं दी, उन्होंने कहा कि होली हमें जीने का तरीका बताती है कि जीवन अलग-अलग रंगों से भरा है। एक रंग से परेशान न हों और एक रंग पर गर्व न करें। हर रंग हर किसी का है। वहीं कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने भी होली खेली, उन्होंने कहा कि हम हमेशा रंगों से होली खेलते हैं, असली उत्साह यह है कि लोग अपनी पसंद से होली खेलें, चाहे गुलाल से, सूखे रंग से या हमारी तरह।

खिलाड़ियों की चोट ने बढ़ाई फ्रेंचाइजी की मुश्किलें

» आईपीएल: बुमराह समेत कई गेंदबाजों की फिटनेस बनी समस्या

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आईपीएल के 18वें संस्करण को शुरू होने में अब ज्यादा समय शेष नहीं है, लेकिन मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपरजाएंट्स समेत कुछ टीमों के खेमों में खलबली की स्थिति है। इसका कारण उनके सितारे क्रिकेटरों का लीग की शुरुआत में पूर्ण रूप से फिट नहीं होना है। पिछले संस्करणों की तरह इस बार भी आईपीएल में क्रिकेटरों की चोटों का साया है।

मुंबई इंडियंस के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह हों या लखनऊ सुपरजाएंट्स के तेज गेंदबाज मयंक यादव, इनके बारे में तय हो चुका है कि ये 22 मार्च से शुरू हो रही लीग के शुरुआती चरण में नहीं खेलेंगे, लेकिन ये लीग में खेलेंगे या नहीं, यह अब भी बड़ा सवाल बना हुआ है। लखनऊ के दो अन्य तेज गेंदबाजों मोहसिन खान और आवेश खान की फिटनेस पर भी तस्वीर साफ नहीं है। वहीं, पंजाब किंग्स के लॉकी फर्ग्यूसन की फिटनेस भी संदेह के घेरे में है। मुंबई इंडियंस तो अपने दो गेंदबाजों के बदले में दूसरे क्रिकेटर भी बुला चुका है। मुंबई बुमराह की वापसी की उम्मीदें लगाए बैठा है। अगर वह नहीं खेले तो मुंबई इंडियंस को बड़ा झटका लगेगा। सनराइजर्स के कप्तान पैट कमिंस, आरसीबी के जोश हेजलवुड और दिल्ली कैपिटल्स के मिचेल स्टार्क चोट के चलते ऑस्ट्रेलिया के लिए चैंपियंस ट्रॉफी में नहीं खेले थे। हालांकि इन तीनों के आईपीएल में खेलने की संभावना है, लेकिन यह देखना होगा कि ये तीनों अपनी टीमों के लिए किस मैच से उपलब्ध रहेंगे।

आईपीएल से उमरान मलिक हुए बाहर

जम्मू एक्सप्रेस के नाम से मशहूर तेज गेंदबाज उमरान मलिक को तगड़ा झटका लगा है। वह आगामी आईपीएल सत्र में चोट के कारण नहीं खेल पाएंगे। इसकी जानकारी कोलकाता नाइट राइडर्स की तरफ से आईपीएल ने दी। उमरान की जगह बाएं हाथ के गेंदबाज चेतन साकरिया को टीम में शामिल किया है। वह 75 लाख रुपये की कीमत पर केकेआर का हिस्सा बने हैं। 25 वर्षीय गेंदबाज को पिछले हुई मेगा नीलामी में कोलकाता नाइट राइडर्स ने 75 लाख रुपये के आधार मूल्य पर खरीदा था। वह इससे पहले सनराइजर्स हैदराबाद का हिस्सा थे। एसआरएच के लिए खेले 26 मैचों में उन्होंने 29 विकेट अपने नाम किए। पिछले संस्करण में उमरान को सिर्फ एक मैच खेलने का मौका मिला था, जिसमें वह एक भी विकेट हासिल नहीं कर पाए थे।

संसद में जोरदार हंगामा, विपक्ष ने मोदी सरकार को घेरा

टीएमसी की वोटर लिस्ट पर चर्चा की मांग

» राज्यसभा में मणिपुर बजट पर वार-पलटवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। होली के अवकाश के बाद संसद के बजट सत्र की कार्यवाही फिर शुरू हुई। आज लोकसभा में कई अहम प्रस्ताव पेश हुए, जिनमें विभिन्न स्टैंडिंग कमेटी की रिपोर्ट भी शामिल हैं। भाजपा सांसद राधा मोहन सिंह और सपा सांसद विरेंद्र सिंह रक्षा मामलों की स्टैंडिंग कमेटी की रिपोर्ट पेश की। साथ ही सामाजिक न्याय और सशक्तिकरण मामलों की स्टैंडिंग कमेटी भी आज अपनी रिपोर्ट लोकसभा में पेश कर सकती है। टीएमसी संसद के बजट सत्र में मतदाता सूची में कथित गड़बड़ी के मुद्दे पर चर्चा की मांग कर रही है। बीते दिनों इसे लेकर सदन में हंगामा भी हुआ। सोमवार को भी टीएमसी सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में वोटर लिस्ट के मुद्दे पर चर्चा की मांग की।

ब्रायन ने लिखा कि चार दिन के बाद संसद में आज फिर से काम होगा। विपक्ष एक ऐसे मुद्दे पर चर्चा चाहता है, जो लोकतंत्र का मुख्य आधार है। क्या सरकार इस पर चर्चा के लिए तैयार है? वहीं 12 मार्च को राज्य सभा में मल्लिकार्जुन खरगे की टिप्पणी पर खासा हंगामा हुआ था। ऐसे में आज भी उस पर हंगामा हो सकता है। लोकसभा में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की डीएमके सांसदों पर की गई टिप्पणी पर भी काफी बवाल हुआ था। ऐसे में नई शिक्षा नीति में तीन भाषा विवाद पर भी हंगामे के आसार हैं। खरगे से लेकर सोनिया तक हर किसी ने जोड़े हाथ, जब अस्पताल से ठीक होकर राज्य सभा पहुंचें उपसभापति धनखड़सदन में जहां आमतौर पर गहमागहमी का माहौल देखने को मिलता है, वहां का नजारा एकदम बिल्कुल अलग था. वजह थी कि सभापति अस्पताल से लौटने के बाद आज फिर से सदन की कार्यवाही का जिम्मा संभाल रहे थे।

स्वस्थ होकर रास पहुंचे धनखड़, खरगे व सोनिया ने किया स्वागत

स्वस्थ होने के बाद राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने आज फिर से अपनी जिम्मेदारी संभाल ली और राज्यसभा की कार्यवाही का संचालन किया।संसद के ऊपरी सदन राज्य सभा में सोमवार को माहौल बिल्कुल जुदा था। सभापति जगदीप धनखड़ और विपक्षी नेताओं के बीच अवसर चलने वाली नोकझोंक गायब थी। दरअसल अस्पताल से डिस्चार्ज होने के बाद सभापति जगदीप धनखड़ पहली बार राज्य सभा में आए तो सभी सांसदों ने हाथ जोड़कर उनका अभिवादन किया. नेता सदन जेपी नड्डा और नेता विपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने उनकी लंबी उम्र की कामना की। इस दौरान खरगे ने सभापति से कहा कि उन्हें लग रहा था कि वे पांच-छह दिन बाद ही सदन में आएंगे, लेकिन जिस तरह से वह आज ही आ गए, वह हैरान हैं यह उनकी काम के लिए प्रति लगन को ही दिखाता है।

वक्फ बोर्ड संशोधन से गरीब और पसमांदा मुसलमानों को फायदा : दिनेश शर्मा

भाजपा सांसद दिनेश शर्मा ने ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड द्वारा वक्फ संशोधन विधेयक 2024 के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने पर कहा, ये आधारहीन लोग हैं। इन्हें न तो जनता का समर्थन है और न ही मुस्लिम समुदाय का। मुस्लिम समुदाय जानता है कि प्रधानमंत्री मोदी गरीबों के लिए काम कर रहे हैं। अगर वक्फ बोर्ड संशोधन होता है तो इसका सबसे ज्यादा फायदा पसमांदा मुसलमानों, गरीब और पिछड़े वर्ग के मुसलमानों को मिलेगा।

वक्फ विधेयक को लेकर अब भी कई शिकायतें और आशंकाएं : मनोज झा

सांसद मनोज झा ने ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड द्वारा वक्फ संशोधन विधेयक 2024 के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने पर कहा, वक्फ विधेयक को लेकर कई शिकायतें और आशंकाएं हैं। जेपीसी ने बहुत ही सीमित दायरे में पूरे विमर्श को रखा है।

नए सिरे से सीबीआई जांच की याचिका खारिज

» सुप्रीम कोर्ट ने पीड़िता के माता-पिता को कलकत्ता हाईकोर्ट जाने की दी अनुमति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल बलात्कार-हत्या मामले में एक नए घटनाक्रम में सुप्रीम कोर्ट ने पीड़िता के माता-पिता को कलकत्ता उच्च न्यायालय जाने की अनुमति दे दी है। पूरा मामला कोलकाता स्थित चिकित्सा संस्थान के परिसर में एक स्नातकोत्तर प्रशिक्षु डॉक्टर के साथ दुखद बलात्कार और हत्या से संबंधित है। भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना की अगुवाई वाली पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता, पीड़िता के माता-पिता, कलकत्ता उच्च न्यायालय के समक्ष अपनी याचिका को आगे बढ़ाने के लिए स्वतंत्र हैं। अदालत ने इस स्तर पर नए सिरे से सीबीआई जांच के लिए कोई निर्देश जारी करने से परहेज किया और आगे के विचार के लिए कानूनी पाठ्यक्रम को राज्य न्यायपालिका को वापस भेज दिया।

कोलकाता रेपकांड मामला

वरिष्ठ अधिवक्ता करुणा नंदी ने पीड़िता के परिवार का प्रतिनिधित्व किया। सीबीआई की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने एजेंसी का पक्ष रखा। इस महीने की शुरुआत में पीड़िता के लिए न्याय की मांग को लेकर कोलकाता में दो रैलियां आयोजित की गई थीं। जघन्य अपराध के सात महीने पूरे होने पर नागरिक समाज के एक वर्ग द्वारा आयोजित रैलियों में 1 मार्च को विरोध प्रदर्शन के दौरान शिक्षा मंत्री ब्रत्य बसु के वाहन की चपेट में आने से जादवपुर विश्वविद्यालय परिसर में एक छात्र के घायल होने की भी निंदा की गई। दोनों रैलियां हाजरा क्रॉसिंग और एस्प्लेनेड से शुरू होकर रवींद्र सदन में एकत्रित हुईं।

बिहार विस में विपक्ष का नीतीश पर प्रहार

» कानून व्यवस्था समेत कई मुद्दों पर एनडीए सरकार को घेरा

» किसी भी स्थिति में अपराधी बक्शे नहीं जाएंगे : बचौल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। होली की छुट्टियों के बाद फिर से बिहार विधानमंडल का बजट सत्र शुरू हो रहा है। आज प्रश्नोत्तर काल में अरुण शंकर प्रसाद, हरि भूषण ठाकुर बचौल और सुधांशु शेखर से प्राप्त ध्यानाकर्षण सूचना पर पंचायती राज विभाग की ओर से वक्तव्य दिया जाएगा। इधर, विपक्ष राज्य में बढ़ते अपराध, पुलिसकर्मियों पर हमले, बीपीएससी 70वीं परीक्षा, कार्यपालक सहायक और रसोईया के वेतन के मुद्दे पर सरकार को घेरा। विपक्ष के विधायकों ने विधानसभा सभा परिसर में नीतीश सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। इधर, सत्ता पक्ष के विधायक लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेजप्रताप यादव की होली पर किए गए बयान और गतिविधियों को लेकर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) को घेरा। साथ ही बढ़ते अपराध पर लगाम लगाने के लिए योगी मॉडल लागू करने की बात कही।

बिहार में होली और रमजान के दौरान अपराधी घटनाओं को लेकर भाजपा विधायक हरिभूषण ठाकुर बचौल ने कहा कि बिहार में पूर्ण रूप से सुशासन की सरकार है और हर घटना पर सरकार और पुलिस प्रशासन की पूरी नजर है किसी भी स्थिति में अपराधी बक्शी नहीं जाएंगे।

एनडीए सरकार में अपराधी बेखौफ : मुकेश रौशन

राजद विधायक मुकेश रौशन ने एनडीए सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार में अपराधी बेखौफ हो चुके है। पहले आम लोगों को निशाना बनाते थे अब तो सीधे पुलिस की ही हत्या कर रहे हैं। सरकार अपराध पर अंकुश लगाने में नाकाम है।

बिहार सरकार रोजगार देने में पूरी तरह विफल : कन्हैया कुमार

बिहार में बढ़ती बेरोजगारी और पलायन के मुद्दे को लेकर कांग्रेस की युवा इकाई ने राज्य सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। इसी सिलसिले में इंडियन यूथ कांग्रेस और एनएसयूआई ने पलायन रोको, नौकरी दो पदयात्रा की शुरुआत पश्चिमी चंपारण के ऐतिहासिक मितरवा आश्रम से की। इस यात्रा का नेतृत्व यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष कन्हैया कुमार, एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष सूरज यादव, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह और प्रदेश प्रभारी कृष्णा अलावरू कर रहे हैं। यात्रा की शुरुआत से पहले कन्हैया ने बिहार सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि बिहार में पढ़ाई, कमाई, दवाई और सुरक्षा जैसी बुनियादी सुविधाओं का भारी अभाव है। उन्होंने कहा कि अब तो हालात यह है कि बिहार के लोगों को हनीमून मनाने तक के लिए राज्य से बाहर जाना पड़ता है। कन्हैया ने बिहार में परीक्षा व्यवस्था में भ्रष्टाचार और सरकारी तंत्र की विफलता पर कहा कि पहले के जमाने में डाकखानों से लव लेटर लीक होते थे, अब बिहार में हर प्रतियोगी परीक्षा का पेपर लीक हो जाता है।

प्रदेश में झमाझम बारिश, पारा लुढ़का

» लखनऊ में सुबह-सुबह बरसी फुहारें, कई जगह बादल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सोमवार की सुबह लखनऊ सहित प्रदेश के कई जिलों में हल्की से भारी बारिश हुई। इस बारिश से मौसम बदल गया। कई जिलों में बादलों की छाए रहने की खबर है। मौसम के इस बदलाव से तेजी से बढ़ रही गर्मी में ब्रेक लगा। राजधानी में सुबह छह बजे के करीब अलग-अलग इलाकों में हल्की से भारी बारिश हुई। बिजली की कड़क और चमक के साथ हुई इस बारिश ने तापमान गिरा दिया है।

मार्च के पहले पखवाड़े में अप्रत्याशित गर्मी ने लोगों के पसीने छुड़ा दिए हैं। दूसरे पखवाड़े के पहले दिन रविवार को प्रदेश के विभिन्न इलाकों में हुई बूंदाबांदी और बादलों की मौजूदगी से अगले दो दिन तक पारे में हल्की गिरावट आने के आसार हैं। मौसम विभाग के मुताबिक 17 से 20 मार्च तक मौसम शुष्क रहने वाला है।

बंगाल की खाड़ी से चलीं पूर्वा हवा

बंगाल की खाड़ी से चली पूर्वा हवा फिर से मौसम में बदलाव लाएगी। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक 21 व 22 मार्च को नमी युक्त पुरवाई के असर से उत्तर प्रदेश के दक्षिण पूर्वी इलाकों सोनभद्र, मिर्जापुर, बलिया व वाराणसी आदि में बूंदाबांदी की संभावना बन रही है। 24 मार्च से फिर से तापमान बढ़ना शुरू होगा। मार्च के आखिर में प्रदेश में लू जैसी परिस्थितियां बनने का पूर्वानुमान है। रविवार को 37.5 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान के साथ वाराणसी सबसे गर्म रहा।

महाराष्ट्र में औरंगजेब की कब्र पर कोहराम

» विहिप की धमकी, कांग्रेस का आरोप- ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही बीजेपी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में इन दिनों मुगल बादशाह औरंगजेब की कब्र को लेकर हंगामा जारी है। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल, औरंगजेब की कब्र हटाने की मांग कर रहे हैं। ये संगठन राज्य सरकार पर दबाव बना रहे हैं। वहीं कांग्रेस इसे असल मुद्दों से ध्यान भटकाने की कोशिश बताकर राज्य सरकार पर निशाना साध रही है। तेलंगाना से भाजपा विधायक टी राजा सिंह औरंगजेब की कब्र हटाने को लेकर खासे मुखर हैं और वे लगातार इस मुद्दे को विभिन्न मंचों पर उठा रहे हैं।

पुणे में आयोजित एक कार्यक्रम में टी राजा सिंह ने कहा कि महाराष्ट्र के हिंदू चाहते हैं कि औरंगजेब की कब्र को राज्य से हटाया जाए। कब टूटेगी औरंगजेब की कब्र? अब

मेरे दो ही उद्देश्य हैं, एक भारत को हिंदू राष्ट्र बनाना और दूसरा औरंगजेब की कब्र हटाना। नागपुर में विश्व हिंदू परिषद के महाराष्ट्र और गोवा के क्षेत्र मंत्री गोविंद शेंदे ने कहा कि आज हम इस मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन करेंगे। औरंगजेब छत्रपति संभाजी महाराज को 40 दिनों तक तड़पाकर मारा। अगर कोई उस निर्दयी शासक की पूजा करता है और उसे अपना हीरो मानता है तो यह स्वीकार्य नहीं है। हमारी मांग है कि गुलामी के प्रतीक को हटाया जाए। क्यों उससे जुड़ा कोई भी प्रतीक यहां होना चाहिए?

महाराष्ट्र में हालात तनावपूर्ण कानून व्यवस्था तबाह : अतुल

कांग्रेस के प्रवक्ता अतुल लोंढे पाटिल का कहना है कि महाराष्ट्र में हालात तनावपूर्ण हैं। कानून व्यवस्था तबाह हो गई है। किसान आत्महत्या कर रहे हैं क्योंकि उन्हें बिजली और पानी नहीं मिल रहे। बेरोजगारी बढ़ रही है और भाजपा सरकार इन सारे मुद्दों को छिपाकर हिंदू मुस्लिम कर रही है। लोगों को ऐतिहासिक मुद्दों पर बांटा जा रहा है और उनका ध्यान असल मुद्दों से हटाया जा रहा है। लेकिन लोग इनके झांसे में अब और नहीं आएंगे। लोग असल मुद्दों पर बात करना चाहते हैं।

विकास धीमा करना चाहते हैं विहिप-बजरंग दल : वडेट्टीवार

महाराष्ट्र में कांग्रेस विधायक विजय वडेट्टीवार ने कहा कि विहिप और बजरंग दल के पास करने के लिए और कुछ नहीं है। ये नहीं चाहते कि महाराष्ट्र के लोग शांति से रहे। ये लोग राज्य की विकास की रफ्तार को धीमा करना चाहते हैं। जब औरंगजेब 27 साल तक यहां रहा, तब वह कुछ नहीं कर पाया, अब उन्हें औरंगजेब की कब्र हटाकर क्या मिल जाएगा।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार : सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार : संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट : हसन जैदी, दूरभाष : 0522- 4078371 | Email : daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।